RNI No. : TNHIN/2013/52520 ▪ वर्ष - 13 ▪ अंक - 303 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » सोमवार » 01-06-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 चुनाव हारने पर चुनाव परिणाम पर सवाल उठाये जाने लगते हैं : आर एन रवि

6 बाल संरक्षण की आवश्यकता और वैश्विक प्रयास

7 'अल्फा किलर' बनकर दुश्मनों का सफाया करेंगी आलिया भट्ट

फर्स्ट टेक

यूक्रेन ने रूसी ऊर्जा ठिकानों पर हमला किया

मॉस्को/एपी। यूक्रेन ने रविवार सुबह रूस के ऊर्जा ठिकानों पर फिर हमले किए, और इन रूसी दावों का खंडन किया कि एक यूक्रेनी ड्रोन ने रूसी कब्जे वाले एक महत्वपूर्ण परमाणु संयंत्र को निशाना बनाया। गवर्नर यूरी स्लीसर ने रविवार को टेलीग्राम पर कहा कि रूस के दक्षिण-पश्चिमी रोस्तोव क्षेत्र में ड्रोन के मलबे से एक ईंधन भंडारण प्रतिष्ठान में आग लग गई। उन्होंने बताया कि आसपास रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। वहीं, गवर्नर रोमन बुसारगिन के अनुसार, ड्रोन हमलों में दक्षिण-पश्चिमी रूस के सारातोव प्रांत में नागरिक बुनियादी ढांचे को भी नुकसान पहुंचा।

चीन में अवैध खनन के दौरान खदान ढही, पांच की मौत

बीजिंग/एपी। चीन में अवैध खनन के दौरान खदान ढहने से रविवार को पांच लोगों की मौत हो गई और एक व्यक्ति घायल हो गया। चीन की सरकारी समाचार एजेंसी 'शिन्हुआ' ने यह जानकारी दी। 'शिन्हुआ' की खबर के अनुसार, यह घटना दक्षिण-पश्चिम चीन के युन्नान प्रांत के हुइजे काउंटी में सुबह लगभग 4:30 बजे हुई। समाचार एजेंसी ने यह नहीं बताया कि यह किस प्रकार की खदान थी। खबर के मुताबिक, बचाव दल ने बाईवु गांव में फंसे सभी छह लोगों को बाहर निकालकर उन्हें अस्पताल भेजा, लेकिन उनमें से पांच ने दम तोड़ दिया। इसमें बताया गया है कि जीवित बचे व्यक्ति की हालत स्थिर है। अधिकारी खदान ढहने के कारणों की जांच कर रहे हैं।

इजराइल ने लेबनान में रणनीतिक रूप से अहम किले पर कब्जा किया

बेरूत/एपी। इजराइली सैनिकों ने दक्षिणी लेबनान में रणनीतिक रूप से अहम पहाड़ी पर कब्जा कर लिया है जिसके शीर्ष पर ब्यूफोर्ट किला स्थित है। यह 26 वर्ष से अधिक समय में लेबनान में इजराइली सेना का सबसे भीतर किया गया कब्जा है। इजराइली सेना ने रविवार को यह जानकारी दी। इजइराली सेना ने नबातियेह शहर के पास स्थित ब्यूफोर्ट किले पर आसपास के गांवों में कई दिन तक चली भीषण लड़ाई और हवाई हमलों के बाद कब्जा किया। इजराइली सैनिकों ने इन गांवों के दुर्गम इलाके में हिजबुल्ला सदस्यों से लड़ाई लड़ी। किले पर कब्जा करना मार्च की शुरुआत में इजराइल-हिजबुल्ला के बीच ताजा युद्ध शुरू होने के बाद इजराइल के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। यह घटनाक्रम ऐसे समय हुआ है, जब 1948 में इजराइल के गठन के बाद से युद्ध की स्थिति में रहे दोनों देश वाशिंगटन में सीधी वार्ता कर रहे हैं।

सूर्यास्त 01-06-2026 6:32 बजे | सूर्योदय 02-06-2026 5:41 बजे

BSE	NSE
74,775.74	23,547.75
(-1,092.05)	(-359.40)

सोना	चांदी
16,231 रु.	276,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

गेंदबाजों के बाद कोहली का जलवा

आरसीबी ने लगातार दूसरी ट्रॉफी जीती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु (आरसीबी) ने गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद विराट कोहली (नाबाद 75 रन) के अर्धशतक से रविवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के फाइनल में गुजरात टाइटन्स को पांच विकेट से हराकर लगातार दूसरा खिताब अपने नाम कर खचाखच भरे नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में अपने दर्शकों को खुशियां मनाने का मौका दिया।

आरसीबी ने अपने आक्रामक खेल से टूर्नामेंट में शुरू से ही दबदबा बनाए रखा और इसका समापन एक और ट्रॉफी से किया। आरसीबी ने पिछले चरण में 18 साल बाद पहली आईपीएल ट्रॉफी जीती थी और रविवार को कोहली ने छक्का लगाकर टीम को जीत तक पहुंचाया।

टॉस जीतकर गेंदबाजी करने वाली आरसीबी के गेंदबाजों ने धीमी पिच का पूरा फायदा उठाते हुए गुजरात टाइटन्स को आठ विकेट पर 155 रन ही बनाने दिए। छह दिन में तीसरे स्थल पर तीसरा मैच खेल रही गुजरात टाइटन्स पर थकान हावी दिखी।

इसके बाद कोहली (42 गेंद, नौ चौके और तीन छक्के) और वेंकटेश अय्यर (32 रन) की अच्छी शुरूआत दिलाई जिससे आरसीबी 18 ओवर में पांच विकेट पर 161 रन बनाकर मुंबई इंडियंस (पांच ट्रॉफी) और चेन्नई सुपर किंग्स (पांच ट्रॉफी) के बाद लगातार खिताब जीतने वाली तीसरी टीम बन गई।

कोहली ने पैर में हो रही दिक्कत के बावजूद आईपीएल में अपना सबसे तेज अर्धशतक जड़ा, उन्होंने 25 गेंद में सात चौके और दो छक्के से पचास रन पूरे किए। फिजियो जांच करने के बाद दो बार मैदान में उनके लिए मैदान में आए, पर वह दर्द को भुलाकर अपनी टीम को जीत तक पहुंचाने में डटे रहे। नरेन्द्र मोदी स्टेडियम की लाल और काली मिट्टी के मिश्रण वाली पिच पर शॉट खेलना बिलकुल भी आसान नहीं था जो गुजरात टाइटन्स की बल्लेबाजी को देखकर साफ झलक रही थी जिससे आरसीबी के लिए रसिख सलाम ने तीन जबकि भुवनेश्वर कुमार और जोश हेजलवुड ने दो दो विकेट चटकाए। कृणाल पंड्या ने 23 रन देकर एक विकेट झटका। लक्ष्य इतना बड़ा नहीं था।

कोहली और अय्यर ने पहले सतर्क शुरूआत करते हुए हाथ खोले जिससे पहले ओवर में पांच रन बने।

दूसरे ओवर में अय्यर ने रबाडा की पहली गेंद को कवर प्वाइंट पर चौके के लिए भेजा और तीसरी गेंद को वाइड मिड विकेट पर छक्के के लिए भेज दिया। अगली गुड लेंथ गेंद पर उन्होंने मिड ऑफ पर चौका जड़ दिया और ओवर का अंत विकेटकीपर के ऊपर चौके से किया। इस ओवर में 18 रन बने।

तीसरे ओवर में कोहली ने मोहम्मद सिराज पर डीप फाइन लेग और डीप स्क्वायर लेग पर दो चौके लगाए।

'हर बार मुझे ही आगे बढ़कर जिम्मेदारी नहीं निभानी पड़ती'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में वर्षों तक उम्मीदों का बोझ उठाने वाले विराट कोहली ने रविवार को कहा कि मौजूदा रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु (आरसीबी) टीम की सबसे बड़ी ताकत यह है कि उसमें कई मैच जिताने वाले खिलाड़ी मौजूद हैं और उन्हें हर बार अकेले आगे बढ़कर जिम्मेदारी निभाने की जरूरत नहीं पड़ती।

कोहली ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ फाइनल में नाबाद 75 रन की पारी खेली। इससे पहले आरसीबी के गेंदबाजों ने जीत की नींव रखी और टीम ने पांच विकेट से जीत दर्ज की। इसके साथ ही आरसीबी ने आईपीएल के 18वें सत्र में अपना पहला खिताब जीतने के बाद रविवार को लगातार दूसरी बार चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया।

कोहली ने 42 गेंद में नौ चौके और तीन छक्कों की पारी खेलने के बाद प्रसारकों से बातचीत में कहा, ''हमें इस पल का बहुत लंबे समय तक इंतजार करना पड़ा। अब हमारे पास ऐसा समूह है जिसके साथ मैदान पर उतरते समय यह महसूस होता है कि हर बार आपको ही आगे बढ़कर जिम्मेदारी नहीं उठानी है। टीम में ऐसे खिलाड़ी हैं जो आपके साथ खड़े हैं और आपके लिए मैच जिता सकते हैं।''

कोहली ने इस सत्र में 16 मैचों में 56.25 की औसत और 165.84 की शानदार स्ट्राइरेट से 675 रन बनाये और टीम के चैंपियन बनने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने हालांकि जीत का श्रेय पूरी टीम को दिया।

नए प्रमुख रक्षा अध्यक्ष

पाकिस्तान और चीन संबंधी मामलों के विशेषज्ञ माने जाने वाले जनरल एन एस राजा सुब्रमणि ने रविवार को भारत के नए प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) के रूप में पदभार संभाल लिया। जनरल सुब्रमणि के सामने महत्वाकांक्षी सैन्य 'थिएटराइजेशन' (सेना के तीनों अंगों की एकीकृत सैन्य कमान व्यवस्था) योजना को लागू करने और तीनों सेनाओं के बीच समन्वय मजबूत करने की प्रमुख जिम्मेदारी होगी। जनरल सुब्रमणि ने जनरल अनिल चौहान का स्थान लिया है, जिन्होंने शनिवार को देश के वरिष्ठतम सैन्य कमांडर के रूप में अपना कार्यकाल पूरा किया। जनरल सुब्रमणि इससे पहले राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय (एनएससीएस) में सैन्य सलाहकार के रूप में कार्यरत थे। वह पिछले वर्ष 31 जुलाई को उप सेना प्रमुख के पद से सेवानिवृत्त हुए थे। पदभार संभालने के तुरंत बाद सैन्य अधिकारी ने कहा कि सशस्त्र बलों में बदलाव और तीनों सेनाओं के बीच समन्वय एवं एकीकरण बढ़ाने के लिए संगठनात्मक सुधार उनकी प्राथमिकता होंगे।

असम मंत्रिपरिषद का पांच को विस्तार होगा : हिमंत

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को कहा कि पांच जून को उनकी मंत्रिपरिषद का विस्तार होगा और नए मंत्रियों को शपथ दिलाई जाएगी। शर्मा को लगातार दूसरे कार्यकाल के लिए राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने 12 मई को मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाई थी।

शर्मा के शपथग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, कई केंद्रीय मंत्री, राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग)-शासित राज्यों के मुख्यमंत्री और अन्य शीर्ष गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए थे। मुख्यमंत्री के साथ चार अन्य मंत्रियों ने भी शपथ ली थी। इनमें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की अजंता नियोग और रामेश्वर तेली, असम गण परिषद के अतुल बोरा और बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) के चरन बोरो शामिल थे।

प्रधानमंत्री ने लोगों से भीषण गर्मी के बीच एहतियात बरतने की अपील की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देशभर में तापमान बढ़ने के मद्देनजर लोगों से पर्याप्त मात्रा में पानी पीते रहने की रविवार को अपील की।

मोदी ने रेडियो पर प्रसारित अपने मासिक कार्यक्रम 'मन की बात' में कहा कि लोगों को धूप में बाहर निकलते समय अतिरिक्त सावधानी बरतनी चाहिए। उन्होंने कहा, ''देश के कई हिस्सों में तापमान तेजी से बढ़ रहा है। ऐसे में अतिरिक्त सावधानी बरतना जरूरी है। पर्याप्त मात्रा में पानी पीते रहें। अगर धूप में बाहर निकलना जरूरी हो, तो सावधानी और जरूरी एहतियात बरतें।'' उन्होंने कहा, ''पानी पीते रहें। इस संबंध में

विभिन्न सरकारी विभागों द्वारा जारी दिशा-निर्देशों को भी न भूलें।''

प्रधानमंत्री मोदी ने देश में तापमान बढ़ने के बीच पिछले बुधवार को भी नागरिकों से अत्यधिक सावधानी बरतने की अपील की थी। उन्होंने कहा था कि ऐसे कठोर मौसम में शरीर में पानी की कमी नहीं होने देना बहुत जरूरी है।

मोदी ने फलों के राजा आम का भी उल्लेख करते हुए कहा कि गर्मी के मौसम में शायद ही कोई घर हो, जहां आम की चर्चा न होती हो। उन्होंने कहा कि हर क्षेत्र का अपना आम और उसकी अपनी सुगंध होती है। उन्होंने कहा, ''महाराष्ट्र का हापुस या अल्फांसो, गुजरात का केसर- ये तो आमरस की जान हैं। उत्तर प्रदेश का दशहरी और मेरी काशी का लंगड़ा। बिहार का जर्दालू जिसकी खुशबू दूर से पहचान में आ जाए। चौसा, मालदा...हर नाम के साथ लोगों की यादें जुड़ी हुई हैं।''

प्रधानमंत्री ने कहा कि अगर कोई दक्षिण भारत जाए तो उसे बंगनपल्ली, तोतापुरी, नीलम, मलगोवा, पश्चिम बंगाल के हिमसागर, ओडिशा और आंध्र प्रदेश के सुवर्णरखा जैसी अन्य किस्में मिलेंगी। उन्होंने कहा, ''यानी, जगह बदलती है और साथ ही आम का रूप-रंग एवं उसका स्वाद भी बदल जाता है ... आम की यह यात्रा अब गांवों से वैश्विक बाजार तक भी पहुंच रही है।''

ईरान के साथ 'बहुत अच्छे समझौते' के करीब है अमेरिका : ट्रंप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाशिंगटन/भाषा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अमेरिका और ईरान एक ''बहुत अच्छे समझौते'' के करीब हैं लेकिन अगर वाशिंगटन को वह नहीं मिलता जो वह चाहता है तो वह ''मामले को किसी और तरीके से खत्म करेगा।''

ट्रंप ने ये टिप्पणियां अपनी बहू लारा ट्रंप के साथ एक साक्षात्कार के दौरान कीं जिसका प्रसारण शनिवार रात 'फॉक्स न्यूज' पर किया गया।

ट्रंप ने कहा, ''हम एक बहुत अच्छे समझौते के करीब हैं। अगर आप जल्दबाजी करेंगे तो आपको बेहतर समझौता नहीं मिल पाएगा और धीरे-धीरे लेकिन निश्चित रूप से हमें वह मिल रहा है जो हम चाहते हैं। अगर हमें वह नहीं मिला जो हम चाहते हैं, तो हम इसे किसी और तरीके से खत्म करेंगे।''

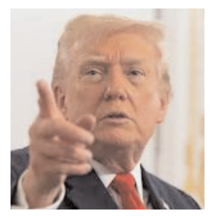

ट्रंप ने कहा कि ईरानी ''अच्छे वार्ताकार'' हैं लेकिन ''सारे पत्ते'' अब अमेरिका के हाथ में हैं क्योंकि ईरान ''सैन्य रूप से पराजित हो चुका है''। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, ''लेकिन हम एक बहुत अच्छे समझौते के करीब हैं। अगर हम इसे कर लेते हैं, तो अच्छा है। अन्यथा, हम सीधे युद्ध विभाग से संपर्क करेंगे।''

ट्रंप ने बताया कि ईरानियों ने कहा है कि वे परमाणु हथियार विकसित नहीं कर रहे हैं। ट्रंप ने सवाल किया कि अगर ईरान परमाणु हथियार खरीद ले तो क्या होगा? उन्होंने कहा, ''मैंने कहा, अगर आप परमाणु हथियार खरीद लें तो क्या होगा? तो अब ईरान कहता है कि हम न तो कोई सैन्य हथियार विकसित करेंगे और न ही खरीदेंगे। यह एक बड़ा अंतर है।''

अमेरिकी नेता ने इस बात पर जोर दिया कि ईरान पर अमेरिका का ''काफी दबदबा'' है क्योंकि उनकी नौसेना और वायुसेना ''पूरी तरह से तबाह'' हो चुकी है। उन्होंने कहा कि अमेरिका ईरान की सेना को पूरी तरह से नष्ट नहीं कर पाया है क्योंकि कुछ नेता अधिक उदारवादी हैं।

ट्रंप ने कहा कि अमेरिका ने ईरान के अधिक चरमपंथी तत्वों और प्रमुख नेतृत्व को निशाना बनाया है।

शुभांशु शुक्ला ने दूसरे अंतरिक्ष मिशन पर कहा

अंतरिक्ष अभियानों के लिए यह एक महत्वपूर्ण मोड़ है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर कदम रखने वाले भारत के पहले व्यक्ति शुभांशु शुक्ला का कहना है कि वह गगनयान मिशन के प्रशिक्षण में भारतीय वायु सेना के परीक्षण पायलट के रूप में अपने अनुभव का लाभ उठा रहे हैं। ग्रुप कैप्टन शुक्ला ने कहा कि किसी भी नए विमान को उड़ाना और यह साबित करना कि वह परिचालन के लिए सुरक्षित है, यही वह सिद्धांत था जिसका उन्होंने तब भी पालन किया और अब भी करते हैं।

शुक्ला ने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के पहले मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम को एक विकसित हो रहे या 'प्रोटोटाइप' मिशन के रूप में वर्णित किया।

शुक्ला ने 'पीटीआई वीडियो' सेवा से कहा, ''वैश्विक स्तर पर भारतीय अंतरिक्ष समुदाय, विशेष रूप से इसरो के प्रति बहुत सम्मान है... मानव अंतरिक्ष मिशन की ओर बढ़ना एक बहुत बड़ा बदलाव है।'' उन्होंने कहा कि गगनयान अंतरिक्ष अन्वेषण की वैश्विक दौड़ में भारत को एक ''अद्वितीय स्थान'' पर स्थापित करेगा।

सिक्किम में निजी वाहनों की आवाजाही पर लागू सम-विषम प्रतिबंध वापस

गंगटोक/भाषा। सिक्किम सरकार ने रविवार को पूरे राज्य में निजी वाहनों की आवाजाही पर लागू सम-विषम प्रतिबंध वापस ले लिया। हालांकि, गंगटोक शहर में यह व्यवस्था फिलहाल जारी रहेगी। एक आधिकारिक सूचना में यह जानकारी दी गई। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग ने समीक्षा बैठक में बताया कि राज्य की मौजूदा जरूरतों को पूरा करने के लिए पेट्रोल और डीजल का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है। मुख्य सचिव आर. तेलांग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, इसके बाद सरकार ने 14 मई की अधिसूचना के तहत राज्य के सभी जिलों में निजी वाहनों पर लगाए गए सम-विषम प्रतिबंध को तत्काल प्रभाव से वापस लेने का फैसला किया।

लोकमाता अहिल्याबाई के कार्य सुशासन, लोकहित के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं : आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को 'लोकमाता' अहिल्याबाई होल्कर की जयंती पर उन्हें नमन करते हुए कहा कि उनके द्वारा किए गए अनुकरणीय कार्य आज भी हमें सुशासन और लोकहित के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा प्रदान करते हैं।

योगी आदित्यनाथ ने रविवार को अपने आधिकारिक 'एक्स' अकाउंट पर एक पोस्ट में कहा, ''देशभर में मंदिरों, घाटों और धर्मस्थलों के पुनर्निर्माण तथा

जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से एक आदर्श शासन व्यवस्था का उदाहरण प्रस्तुत करने वाली 'लोकमाता' अहिल्याबाई होल्कर की जयंती पर कोटिशः नमन।'' उन्होंने कहा, ''प्रजा के हित को सर्वोपरि रखते हुए विकास, धर्म और संस्कृति के संरक्षण के लिए उनके द्वारा किए गए अनुकरणीय कार्य आज भी हमें सुशासन और लोकहित के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा प्रदान करते हैं।''

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने अहिल्याबाई को श्रद्धांजलि देते हुए 'एक्स' पर अपने एक पोस्ट में कहा, ''देश में न्यायप्रिय, धर्मनिरपेक्ष एवं लोक कल्याणकारी महान शासक के रूप में प्रसिद्ध अहिल्याबाई होल्कर की जयंती पर शत्-शत् नमन एवं अपार श्रद्धा-सुमन अर्पित।'' उन्होंने कहा, ''भारतीय इतिहास की महान शासक अहिल्याबाई होल्कर जी ने अपने आदर्शों, सेवा-भाव और जनहितकारी कार्यों से समाज को नई दिशा प्रदान की।''

प्यार को पाने की खातिर युवक ने पार की सीमा, सेना ने पकड़ा

श्रीनगर/भाषा। सोशल मीडिया पर परवान चढ़े प्यार के लिए सीमा पार से आए 22 वर्षीय एक युवक जीशान मीर ने उत्तरी कश्मीर के उरी सेक्टर में कड़ी सुरक्षा वाली नियंत्रण रेखा (एलओसी) को पार कर लिया, लेकिन मुस्तैद सैन्य कर्मियों ने उसे पकड़ लिया। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी।

जांच से जुड़े अधिकारियों के अनुसार, मुजफ्फराबाद का रहने वाला मीर अपने परिवार से काफी परेशान था, जो उस पर कमाने और घर का आर्थिक बोझ उठाने के लिए लगातार दबाव बना रहा था। उन्होंने कहा कि प्रथम दृष्टया मीर मासूम और बेहद तनावग्रस्त लग रहा है, जो लगातार घरेलू कलह के कारण गंभीर अवसाद में चला गया था।

अधिकारियों ने बताया कि इसी भावनात्मक संकट के दौरान मीर स्नैपचैट पर तुलवारी गांव की रहने वाली इरम बानो के संपर्क में आया।

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

गंदे बयान

टिक रही सियासत मजहब पर,
हतप्रभ हिंदु और मुसलमान।
जब हैं सब ही हिंदुस्तानी,
फिर क्यों देते नेता बयान।
वोटों के दलबाजों हरगिज,
ना बोलो तुम फिरकी जुबान।
है मुल्क सभी का भारत ही,
'जय हिंद' सभी का यशोगान।।

दिल्ली में साकेत मेट्रो स्टेशन के पास इमारत ढही मृतकों की संख्या बढ़कर छह हुई, प्राथमिकी दर्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दक्षिण दिल्ली में साकेत मेट्रो स्टेशन के निकट एक व्यावसायिक इमारत ढहने की घटना में मृतकों की संख्या बढ़कर रविवार को छह हो गई, जबकि कई अन्य को मलबे से निकाला गया और अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, घटना में जान गंवाने वाले और घायलों में से कुछ लोग विदेशी चिकित्सा स्नातक (एफएमजी) परीक्षा की तैयारी कर रहे थे।

साकेत का यह इलाका, जहां यह इमारत ढही, विदेशों में चिकित्सा और इंजीनियरिंग की पढ़ाई के इच्छुक छात्रों के लिए कोचिंग संस्थानों का प्रमुख केंद्र माना जाता है।

अधिकारियों ने बताया कि इस मामले में गैर-इरादतन हत्या सहित भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है तथा हादसे के कारणों की जांच के लिए विभिन्न टीमों का गठन किया गया है।

यह हादसा शनिवार शाम सईद-उल-अजायब क्षेत्र के वेस्टएंड मार्ग पर हुआ, जब बहुमंजिला इमारत अचानक भरभराकर ढह गई।

इमारत में एक कोचिंग संस्थान, कैफे और कई कार्यालय संचालित हो रहे थे। हादसे के समय इसकी ऊपरी

मंजिल पर निर्माण कार्य हो रहा था।

जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) के अनुसार, शनिवार शाम सात बजकर 40 मिनट पर आपातकालीन अभियान केंद्र को इमारत ढहने की सूचना मिली थी।

डीडीएमए ने बयान में कहा गया, सूचना मिलते ही एक त्वरित प्रतिक्रिया वाहन को घटनास्थल पर भेजा गया और मानक परिचालन प्रक्रिया के तहत बचाव अभियान शुरू किया गया।

मौके पर पहुंचने पर अधिकारियों ने पाया कि लगभग 300 से 400 वर्ग गज क्षेत्र में फैली पांच से सात मंजिला इमारत पूरी तरह ढह चुकी थी।

स्थानीय लोगों ने बचाव दल को बताया कि मलबे में 10 से 15 लोगों के फंसे होने की आशंका है।

दक्षिण जिले के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) अनंत मित्तल ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, इस हादसे में कुल छह लोगों की मौत हुई है। बचाव अभियान चलाया जा रहा है।

पुलिस के मुताबिक मृतकों की पहचान रवि (24), कपिल (28), नलिन राय (23), आलोक, पार्वती (35) और एकता (24) के रूप में हुई है।

अधिकारियों ने बताया कि इमारत पूरी तरह मलबे में तब्दील हो गई और उसका एक बड़ा हिस्सा निकट स्थित 'टिन-शेड' कैंटीन पर गिर गया। यह कैंटीन पार्वती की थी, जहां चिकित्सा प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी करने वाले छात्र अक्सर आते थे।

उत्तराखंड के चंपावत में उफनती नदी में फंसे 50 से अधिक तीर्थयात्रियों को एसडीआरएफ ने बचाया

देहरादून/भाषा। चंपावत जिले के श्री रीठा साहिब गुरुद्वारे में रविवार को एक बड़ी त्रासदी होने से टल गई, जब वार्षिक जोड़ मेले के दौरान उफनती नदी में फंसे 50 से अधिक तीर्थयात्रियों को सुरक्षित बचा लिया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, तीर्थयात्रियों की भारी भीड़ और मौसम संबंधी स्थितियों को ध्यान में रखते हुए राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) की एक टीम को मेला स्थल पर पहले ही तैनात कर दिया गया था।

क्षेत्र में अचानक हुई बारिश के कारण लधिया और रतिया नदियों का जलस्तर बढ़ने पर पहले से की गई यह तैनाती महत्वपूर्ण साबित हुई। गुरुद्वारे में दर्शन के लिए जाने से पहले दो नदियों के संगम पर स्नान कर रहे 50 से अधिक तीर्थयात्री उफनते पानी में फंस गए। नदी के किनारे खड़ी कई गाड़ियां भी बढ़ते जलस्तर की चपेट में आ गईं जिससे अफरा-तफरी मच गई। अधिकारियों ने बताया कि एसडीआरएफ की एक टीम तुरंत मौके पर पहुंची और बचाव अभियान शुरू किया। उन्होंने बताया कि तेज धारा और चुनौतीपूर्ण हालात के बावजूद कर्मियों ने फंसे सभी तीर्थयात्रियों को सुरक्षित रूप से नदी पार कराई। उन्होंने यह भी बताया कि टीम ने फंसे हुए वाहनों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने में भी सहायता की। एसडीआरएफ कमांडेंट अर्पण यदुवंशी ने बताया कि सभी लोगों को सुरक्षित निकाल लिया गया है और किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है। उन्होंने कहा कि अग्रिम तैनाती के कारण त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जा सकी।

जम्मू कश्मीर: पीओके में घुसने की कोशिश कर रहे तीन लोग पकड़े गए

श्रीनगर/भाषा। जम्मू कश्मीर के उरी सेक्टर में सेना ने तीन लोगों को पकड़ लिया और कथित तौर पर देश से बाहर निकलने के उनके प्रयास को विफल कर दिया, जबकि एक अलग घटना में जवानों ने नियंत्रण रेखा (एलओसी) पार करने के बाद पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के एक व्यक्ति को हिरासत में ले लिया। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी।

श्रीनगर स्थित चिनार कोर ने कहा कि खुफिया जानकारी के आधार पर शनिवार को बारामूला जिले के उरी क्षेत्र में सेना और पुलिस द्वारा एक संयुक्त अभियान शुरू किया गया था। चिनार कोर ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, सोपोर के दो व्यक्तियों को सतर्क चिनार योद्धाओं ने उरी सेक्टर में अपने सहयोगी गाइड के साथ शत्रुतापूर्ण इरादे से भागने का प्रयास करते समय पकड़ लिया। जांच जारी है। अधिकारियों ने पकड़े गए व्यक्तियों की पहचान आदिल हुसैन, इशफाक लोन और जाफर हाफिज के रूप में की है। इसी क्षेत्र में एक अलग घटना में सेना के जवानों ने नियंत्रण रेखा (एलओसी) पार करते समय पीओके के एक व्यक्ति को रोका और पकड़ लिया। सेना ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक अन्य पोस्ट में कहा, उरी सेक्टर में नियंत्रण रेखा पार करते समय सतर्क चिनार योद्धाओं द्वारा रोके जाने के बाद पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के एक घुसपैठिए को पकड़ लिया गया। सैनिकों ने उसे कानूनी कार्यवाही के लिए जम्मू कश्मीर पुलिस को सौंप दिया है।

उत्तराखंड में खराब मौसम के कारण केदारनाथ यात्रा अस्थायी रूप से रोकी गई

रुद्रप्रयाग/भाषा। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) द्वारा भारी बारिश और तूफान की आशंका जताते हुए 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किए जाने के बाद केदारनाथ यात्रा रविवार को अस्थायी रूप से स्थगित कर दी गई और तीर्थयात्रियों को सुरक्षित स्थलों पर रोक दिया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

जिला प्रशासन ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे यात्रा मार्ग पर मौजूद सभी श्रद्धालुओं को तुरंत निकटतम 'होल्डिंग' (ठहरने के स्थानों) केंद्रों में ठहराएं। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार ने कहा कि मौसम की स्थिति से उत्पन्न होने वाली किसी भी प्रतिकूल परिस्थिति से निपटने के लिए प्रशासन पूरी तरह तैयार है। उन्होंने कहा, रुद्रप्रयाग में भारी बारिश और तूफान के 'ऑरेंज अलर्ट' के बाद सभी श्रद्धालुओं को निकटतम सुरक्षित स्थानों पर रोकने के निर्देश जारी किए गए हैं। सोनप्रयाग और गौरीकुंड सहित भूस्खलन संभावित क्षेत्रों में तैनात सेक्टर अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है कि मौसम साफ होने तक कोई भी श्रद्धालु आगे न बढ़े। रजवार ने बताया कि तीर्थयात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एहतियात के तौर पर सुबह करीब 9:45 बजे यात्रा रोक दी गई। गढ़वाल आयुक्त आनंद स्वरूप ने लगातार हो रही बारिश और प्रतिकूल मौसम के कारण केदारनाथ यात्रा को एहतियात के तौर पर अस्थायी रूप से रोक दिया है।

न्यायाधीशों की नियुक्ति को लेकर न्यायपालिका से कोई टकराव नहीं है : कानून मंत्री मेघवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा है कि सरकार न्यायाधीशों की नियुक्ति के लिए विभिन्न देशों में अपनाई जाने वाली प्रणालियों का अध्ययन कर रही है। मेघवाल ने इस बात पर जोर दिया कि कार्यपालिका और न्यायपालिका के बीच कोई टकराव नहीं है और उच्च न्यायपालिका में रिक्त पदों को भरने के लिए एक अच्छी परामर्श प्रक्रिया का पालन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अदालतों में लंबित मामलों की बढ़ती संख्या के मद्देनजर, सरकार वैकल्पिक विवाद समाधान तंत्र को मजबूत करने के लिए काम कर रही है।

मेघवाल ने कहा कि उच्चतम न्यायालय, 25 उच्च न्यायालयों और निचली अदालतों में पांच करोड़ से अधिक मामले लंबित होने के मद्देनजर, नरेन्द्र मोदी नीत सरकार इसे कम करने के लिए मध्यस्थता सहित वैकल्पिक विवाद समाधान तंत्र को बढ़ावा दे रही है। मेघवाल ने 'पीटीआई-भाषा' के साथ साक्षात्कार में कहा कि सरकार न्यायाधीशों की नियुक्ति में विभिन्न देशों द्वारा अपनाई गई प्रणालियों का अध्ययन कर रही है। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि अन्य देशों में नियुक्ति प्रणालियों की अनौपचारिक रूप से जांच की जा रही है और उनका अध्ययन करने के लिए कोई औपचारिक तंत्र स्थापित नहीं किया गया है।

कॉलेजियम प्रणाली के विकल्प की संभावना के बारे में पूछे गए प्रश्न के उत्तर में मेघवाल ने कहा, ''देखते हैं इसका क्या परिणाम निकलता है।'' उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की नियुक्ति को लेकर कार्यपालिका और न्यायपालिका के बीच मतभेदों से संबंधित प्रश्न पर मेघवाल ने कहा कि ''कोई टकराव नहीं है और अच्छी परामर्श प्रक्रिया'' होती है। उन्होंने कहा, ''सबसे पहले तो मैं यह कहना चाहता हूं कि कोई टकराव नहीं है और अच्छी परामर्श प्रक्रिया का पालन होता है।''

कानून मंत्री ने कहा कि ऐसे अवसर भी आते हैं, जब उच्चतम न्यायालय कॉलेजियम सरकार द्वारा सुझाए गए नामों पर असहमत होता है। इसी प्रकार, सरकार भी जांच में नकारात्मक पृष्ठभूमि जैसे कारणों से अपनी सिफारिशें रोक लेती है। उन्होंने कहा, ''लेकिन, कोई टकराव नहीं है।'' संसद के दोनों सदनों ने लगभग सर्वसम्मति से एक विधेयक पारित किया था, जिसमें उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की नियुक्ति के लिए एक निकाय स्थापित करके कॉलेजियम प्रणाली को समाप्त करने का प्रस्ताव था।

भारत-ओमान मुक्त व्यापार समझौते के तहत शुल्क रियायतें एक जून से लागू

नई दिल्ली/भाषा। वित्त मंत्रालय ने भारत और ओमान के बीच हुए व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते (सीईपीए) के तहत ओमान से आयातित वस्तुओं पर सीमा शुल्क रियायत संबंधी अधिसूचना जारी कर दी है। यह व्यवस्था एक जून से प्रभावी होगी। भारत और ओमान के बीच सीईपीए पर पिछले साल दिसंबर में हस्ताक्षर किए गए थे।

वित्त मंत्रालय की अधिसूचना में कहा गया, ''शुल्क रियायत का लाभ तभी मिलेगा, जब आयातक यह प्रमाणित कर दे कि जिन वस्तुओं पर छूट का दावा किया जा रहा है, उनका मूल स्रोत ओमान है। अधिसूचना के अनुसार, यह प्रावधान एक जून, 2026 से लागू होगा। समझौते के तहत भारत अपनी कुल 12,556 उत्पाद श्रेणियों में से 77.79 प्रतिशत पर शुल्क रियायत दे रहा है। इससे मूल्य के आधार पर ओमान से भारत के कुल आयात का 94.81 प्रतिशत हिस्सा इस व्यवस्था के दायरे में आएगा।

ओमान के लिए निर्यात महत्व वाले तथा भारत के लिए संवेदनशील माने जाने वाले उत्पादों पर रियायतें मुख्य रूप से शुल्क दर कोटा (टीआरक्यू) व्यवस्था के तहत दी जाएंगी। इनमें खजूर, संगमरमर और पेट्रोरसायन उत्पाद जैसे सामान शामिल हैं।

हां, हम तो हैं अभिनंदन लाल...तूम टपोरी लाल

मुख्यमंत्री मोहन यादव का जीतू पटवारी पर पलटवार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शाजापुर (मध्यप्रदेश)/भाषा। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने रविवार को कांग्रेस की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष जीतू पटवारी को आड़े हाथों लेते हुए उनके लिए 'टपोरी लाल', 'ढपोरशंख' और 'दो कौड़ी का प्रदेश अध्यक्ष' जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया और कहा कि उनकी सरकार काम करना भी जानती है और 'नाकाम' से निपटना भी जानती है।

आम तौर पर अपने भाषणों में संयमित और मर्यादित शब्दों का इस्तेमाल करने वाले मुख्यमंत्री यादव ने शाजापुर जिले के शुजालपुर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए पटवारी के खिलाफ आक्रामक अंदाज में ये हमले किए। पटवारी ने पिछले दिनों सतना में आयोजित कांग्रेस के युवा संवाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री मोहन यादव पर तंज कसा था और उन्हें 'मोहन लाल अभिनंदन यादव' कहा था। इसी दौरान पटवारी ने यह भी कहा था कि उनकी (यादव) की विदाई का समय आ गया है और उल्टी गिनती शुरू हो गई है। पटवारी पर पलटवार करते हुए यादव ने कहा, वो कहते हैं अभिनंदन लाल। हां, हम तो हैं अभिनंदन लाल। तुम टपोरी लाल। ढपोर शंख। जितने नाम याद करोगे, सब तुम पर जाने वाले हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पर हमला जारी रखते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस आज अपने कर्मों का फल भोग रही है और पूरे देश से उसका सूपड़ा साफ हो गया है। जब देश के संकट पर आए तो नेता प्रतिपक्ष भाग जाये। जब प्रदेश में विकास की बयार चले तो इनका 'दो कौड़ी का प्रदेश अध्यक्ष' हाय रे, हाय रे करे।

सीबीएसई ओएसएम विवाद पर राहुल बोले- छात्रों को उनके सवालों के बदले अपमान का सामना करना पड़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सीबीएसई ओएसएम विवाद को लेकर केंद्र सरकार पर रविवार को निशाना साधा। उन्होंने छात्रों के साथ अपने संवाद का एक वीडियो साझा करते हुए उन्हें बहादुर युवा भारतीय बताया, जिन्होंने मोदी सरकार से सरल सवाल पूछे, लेकिन उन्हें बदले में जवाब के बजाय अपमान मिला।

राहुल ने कहा कि छात्र उज्ज्वल भविष्य के हकदार हैं और हम यह सुनिश्चित करेंगे कि उन्हें वह हासिल हो।

कांग्रेस नेता ने संबंधित वीडियो 'एक्स' पर साझा किया और कटाक्षपूर्ण लहजे में इसे साथी राष्ट्र-विरोधी सोरोस एजेंट के साथ तथ्यों को सामने लाने वाली अपनी बातचीत करार दिया।

राहुल ने लिखा, ''वेदांत और उसके दोस्त प्रतिभाशाली, बहादुर युवा भारतीय हैं, जिन्होंने सीबीएसई और मोदी सरकार से सरल सवाल पूछे- लेकिन उन्हें बदले में जवाब के बजाय अपमान मिला। उन्होंने कहा, ये लोग उज्ज्वल और सुरक्षित भविष्य के हकदार हैं। हम सुनिश्चित करेंगे कि उन्हें यह मिले।

कक्षा 12 के छात्र वेदांत ने हाल में 'एक्स' पर एक पोस्ट में आरोप लगाया था कि पुनर्मूल्यांकन प्रक्रिया के तहत केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की ओर से अपलोड की गई भौतिकी की उत्तर पुस्तिका उसकी नहीं थी। इसके बाद कई अन्य छात्रों ने भी सोशल मीडिया पर इसी तरह के दावे वाले पोस्ट किए।

वीडियो में नेता प्रतिपक्ष, वेदांत एवं अन्य छात्रों से अनौपचारिक बातचीत के दौरान उनकी परेशानियों के बारे में चर्चा करते नजर आ रहे हैं। इसमें वह मजाकिया लहजे में यह कहते दिखाई दे रहे हैं कि कैसे जायज चिंताओं और मुद्दों को उठाने के बाद छात्रों पर पाकिस्तानी और डीप स्टेट एजेंट होने का ठप्पा लगा दिया गया।

आतंक जांच: बांद्रा में मस्जिद ढहाये जाने का बदला लेने के लिए रची गई हमलों की साजिश

मुंबई/भाषा। दिल्ली पुलिस द्वारा भंडाफोड़ किये गए पाकिस्तान समर्थित आईएसआई-आतंकी मॉड्यूल के सदस्यों ने बांद्रा के गरीब नगर इलाके में अतिक्रमण-रोधी अभियान के तहत एक अवैध मस्जिद को गिराए जाने का बदला लेने के लिए मुंबई में पुलिसकर्मियों और सुरक्षा बलों पर हमला करने की साजिश रची थी। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

दिल्ली पुलिस ने शनिवार को कहा कि उसने एक नेपाली नागरिक सहित आठ संदिग्धों को गिरफ्तार किया है, जिन पर दिल्ली और अन्य शहरों में महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों, सुरक्षा प्रतिष्ठानों और पुलिसकर्मियों पर हमले की साजिश रचने का आरोप है। बांद्रा स्टेशन के पास गरीब नगर में अवैध ढांचों को ध्वस्त करने के लिए 19 से 23 मई तक चलाए गए अभियान में पथराव की घटनाएं हुईं, जिसमें पुलिसकर्मियों सहित 10 लोग घायल हुए। मुंबई पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि संदिग्धों ने गरीब नगर में चलाये गए अतिक्रमण-रोधी अभियान की कथित तौर पर टोह ली थी और पुलिस तैनाती के वीडियो और तस्वीरें पाकिस्तान में अपने आकाओं को भेजी थीं।

उन्होंने कहा कि गरीब नगर में अतिक्रमण-रोधी अभियान के दौरान तैनात पुलिसकर्मी और हिंदू समुदाय के सदस्य भी उन समूहों में शामिल थे, जिन्हें निशाना बनाने की साजिश रची गई थी। वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि यह साजिश कथित तौर पर पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई, गैंगस्टर शहजाद भट्टी, यावर खान और अंडरवर्ल्ड के सरगना छोटा शकील के सहयोगी मुन्ना झिंगड़ा द्वारा रची गई थी।

गांव से सामान बेचने शहर आने-जाने वाले किसानों को हेलमेट देगी मप्र सरकार : मुख्यमंत्री यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शाजापुर (मध्यप्रदेश)/भाषा। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने रविवार को कहा कि गांव से मोटरसाइकिल पर सवार होकर सामान बेचने शहर जाने वाले किसानों को राज्य सरकार हेलमेट देगी ताकि सड़क हादसों से उनकी जान बचाई जा सके।

मुख्यमंत्री ने शाजापुर जिले के शुजालपुर में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' का 134वां संस्करण सुनने के बाद किसानों से संवाद के दौरान यह घोषणा की। उन्होंने कहा, किसान दूध-फल-सब्जी जैसा सामान मोटरसाइकिल पर गांव से शहर लाते हैं। हेलमेट न होने की वजह से उन पर दुर्घटना का खतरा बना रहता है। हमारी सरकार हेलमेट देकर किसानों की जान बचाएगी। इस तरह हम दुर्घटनाओं को भी रोकेंगे और किसानों को सुरक्षा की गारंटी भी मिलेगी। मुख्यमंत्री यादव ने जोर देकर कहा कि उनके नेतृत्व में राज्य सरकार किसी भी सूरत में किसानों की आय बढ़ाएगी। उन्होंने कहा, मुझे इस बात की प्रसन्नता है कि हमारी सरकार जो निर्णय करती है, उसे लागू करती है। हमने आज 2,625 रुपए क्विंटल के दाम पर 1 करोड़ मीट्रिक टन से ज्यादा गेहूं की खरीद का रिकॉर्ड बनाया है। अभी तक हमने अपने ही सारे रिकॉर्ड तोड़े हैं। पूरे देश में सबसे ज्यादा लगभग 14 लाख किसानों से गेहूं खरीदने का रिकॉर्ड भी मध्यप्रदेश सरकार ने बनाया है। उन्होंने कहा, यह हमारी सरकार के काम करने का तरीका है। सरकार सोयाबीन के लिए भावांतर योजना के माध्यम से किसानों को लाभ देकर वचन को निभा रही है। हमारी सरकार उड़द को भी प्रोत्साहन दे रही है। पहली बार हम उड़द पर बोनस दे रहे हैं। मुझे प्रसन्नता है कि दालों के उत्पादन में मध्यप्रदेश देश में नंबर-1 है। हम उसमें और आगे बढ़ रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कि एक तरफ सरकार खेती पर जोर दे रही है तो दूसरी तरफ कारखानों के माध्यम से दालों का उत्पादन भी यहीं करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा, तूअर दाल के आयात पर कारखानों को टैक्स की छूट देकर हमने वचन निभाया। कपास से लेकर कई चीजों में सरकार सभी को लाभ दे रही है। आने वाले समय में बरसात के बाद जब रबी की फसल आएगी तब हम दिन में बिजली देकर किसानों को कठिनाइयों से मुक्त करेंगे। उन्होंने कहा कि सरकार ने उड़द और मूंग का पंजीयन भी शुरू कर दिया है और इनकी भी खरीदी की जाएगी।

बच्चों के नये तंबाकू उत्पादों के प्रति आकर्षित होने की आशंका नौ गुना अधिक: विशेषज्ञ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वयस्कों की तुलना में बच्चों के नये तंबाकू और निकोटीन उत्पादों की ओर आकर्षित होने की आशंका नौ गुना अधिक होती है, जिससे वे इस उद्योग की विपणन रणनीतियों का प्रमुख शिकारबन रहे हैं। यह बात प्रमुख जनस्वास्थ्य विशेषज्ञों ने रविवार को विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर चेतावनी देते हुए कही।

विशेषज्ञों ने कहा कि तंबाकू और निकोटीन उद्योग अपने उत्पादों को युवाओं के लिए आकर्षक बनाने के वास्ते स्वादयुक्त विकल्पों, आकर्षक डिजाइन, डिजिटल प्रचार और अन्य तरीकों का इस्तेमाल कर रहा है जिससे नई पीढ़ी के निकोटीन की लत से ग्रस्त होने को लेकर चिंता बढ़ गई है।

यह चेतावनी ऐसे समय में आई है जब दुनिया इस वर्ष का विश्व तंबाकू निषेध दिवस ''अनमास्किंग द अपील: काउंटरिंग निकोटीन एंड टोबैको एडिक्शन'' विषय के साथ मना रही है। इसका उद्देश्य तंबाकू और निकोटीन उत्पादों को विशेष रूप से बच्चों के लिए आकर्षक दिखाने हेतु अपनाई जाने वाली रणनीतियों और तौर-तरीकों को उजागर करना है।

भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद-राष्ट्रीय कैंसर रोकथाम एवं अनुसंधान संस्थान (एनआईसीपीआर) निदेशक शालिनी सिंह ने कहा कि तंबाकू और निकोटीन उद्योग अक्सर बच्चों और युवाओं को अपने विपणन प्रयास में केंद्रित करता है, क्योंकि अधिकांश उपभोक्ता किशोरावस्था या युवावस्था के शुरुआती वर्षों में

इन उत्पादों का सेवन शुरू करते हैं। रविवार को 'तंबाकू मुक्त भारत' नामक नागरिक पहल द्वारा आयोजित एक वेबिनार में उन्होंने कहा, ''इसी कारण विपणन रणनीतियां जिज्ञासा पैदा करने, प्रयोग के लिए प्रेरित करने और अंततः लत लगाने के उद्देश्य से तैयार की जाती हैं।'' उन्होंने कहा कि आज की चुनौती केवल पारंपरिक तंबाकू उत्पादों तक सीमित नहीं है बल्कि इसमें नये निकोटीन उत्पाद भी शामिल हैं, जिन्हें अक्सर वास्तविकता की तुलना में कम हानिकारक और कम जोखिम वाला समझा जाता है।

दिल्ली स्थित राष्ट्रीय कैंसर संस्थान के पूर्व प्रमुख डॉ. आलोक ठाकर ने कहा कि तंबाकू भारत की स्वास्थ्य व्यवस्था पर अब भी भारी बोझ डाल रहा है। उन्होंने कहा, ''एक कैंसर विशेषज्ञ के रूप में हम प्रतिदिन तंबाकू सेवन के दुष्परिणाम देखते हैं। तंबाकू से संबंधित कई प्रकार के कैंसर रोके जा सकते हैं लेकिन लत अक्सर कम उम्र में शुरू होने के कारण हजारों परिवार आज भी इसकी पीड़ा झेल रहे हैं।''

एक अलग घटनाक्रम में विश्व स्वास्थ्य संगठन ने तंबाकू नियंत्रण और कैंसर रोकथाम में योगदान के लिए भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद-राष्ट्रीय कैंसर रोकथाम एवं अनुसंधान संस्थान (एनआईसीपीआर) को वर्ष 2026 का 'विश्व तंबाकू निषेध दिवस पुरस्कार' देने की घोषणा की। यह तंबाकू नियंत्रण के क्षेत्र में डब्ल्यूएचओ द्वारा दिए जाने वाले सर्वोच्च सम्मानों में से एक है।

इस सम्मान को व्यापक तंबाकू नियंत्रण समुदाय के लिए प्रोत्साहन बताते हुए डॉ. सिंह ने कहा, ''यह अनुसंधान, जनजागरूकता, नीतिगत समर्थन और जनभागीदारी में निरंतर प्रयासों के महत्व को रेखांकित करता है।

भारत ने महत्वपूर्ण प्रगति की है, लेकिन तंबाकू और निकोटीन का परिदृश्य लगातार बदल रहा है जिसके लिए निरंतर सतर्कता आवश्यक है।''

तिरुवल्लुवर को भगवा वस्त्र में दर्शाने के लिए टीवीके, द्रमुक ने राज्यपाल की आलोचना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु में सत्तारूढ़ तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) और विपक्षी दल द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) सहित कई पार्टियों ने लोक भवन में तमिल संत तिरुवल्लुवर को भगवा पोशाक में दर्शाए जाने की आलोचना की, जबकि आधिकारिक रूप से मान्यता प्राप्त चित्र में उन्हें सफेद वस्त्र में दिखाया गया है।

राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने 30 मई को 'वैकासी अनुषम' महोत्सव के उपलक्ष्य में लोक भवन में तिरुवल्लुवर के एक चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की थी, जिसमें उन्हें भगवा पोशाक में दर्शाया गया था। इस घटनाक्रम के बाद राज्यपाल की आलोचना का सिलसिला शुरू हो गया।

तमिलनाडु के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. अनुराज ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए तिरुवल्लुवर को भगवा पोशाक में दर्शाये जाने की निंदा की। अनुराज ने कहा कि वैश्विक स्तर पर विख्यात संत को एक संकीर्ण पहचान तक सीमित करने का कोई भी प्रयास उनके सार्वभौमिक दृष्टिकोण को कमतर आंकने के बराबर है।

उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट किया, लोक भवन या किसी भी सरकारी और सार्वजनिक स्थान पर तिरुवल्लुवर को भगवा पोशाक में दर्शाया जाना सरासर गलत है। तिरुवल्लुवर किसी धर्म, जाति, नस्ल या राष्ट्र तक सीमित नहीं थे। उनकी 'तिरुक्कुरल' पूरी मानवता के लिए जीवन का साझा सिद्धांत पेश करती है।

टीवीके के वरिष्ठ नेता अनुराज ने कहा कि 'कदावुल वझथु' (ईश्वर का आह्वान) अध्याय में भी तिरुवल्लुवर ने किसी विशेष धर्म से संबंधित देवी-देवताओं का नाम लेने के बजाय 'आदि भगवान', 'मलारमिसाई येगिनन' और 'अरवाझी अंधनन' जैसे तटस्थ एवं सार्वभौमिक विशेषणों का सावधानीपूर्वक इस्तेमाल किया है।

मंत्री ने कहा, जब उन्होंने (तिरुवल्लुवर) खुद को एक सार्वभौमिक व्यक्ति के रूप में स्थापित किया, तो उन्हें किसी विशिष्ट धर्म से जुड़े रंग में पेश करना उनके वैश्विक दर्शन के विपरीत है।

तिरुवल्लुवर ने हमें जन्म से ही सभी के समान होने का उपदेश दिया। उन्हें किसी विशिष्ट रंग में कैद करने की कोशिश समुद्र को मटके में समेटने के प्रयास के समान है। राजनीतिक लाभ के लिए उन्हें भगवा रंग में रंगना सरासर अस्वीकार्य है।

अनुराज ने नेताओं से आग्रह किया कि वे तिरुवल्लुवर के कपड़ों का रंग बदलने के बजाय 'तिरुक्कुरल' में सुझाए गए रास्ते पर चलें। द्रमुक नेता उदयनिधि स्टालिन ने लोक भवन में प्रतीकों को भगवा रूप में दर्शाये जाने और इस मुद्दे पर मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय के नेतृत्व वाली नवगठित टीवीके सरकार की निष्क्रियता की आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि लोक भवन ने तिरुवल्लुवर को भगवा रंग में रंगने का कार्य केवल इसलिए किया, क्योंकि वर्तमान मुख्यमंत्री हमेशा चुप रहते हैं।

उदयनिधि ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, उन्होंने राज्यपाल के आवास पर तिरुवल्लुवर को एक बार फिर भगवा रंग में रंग दिया है। उन्होंने यह साहस इसलिए दिखाया, क्योंकि वर्तमान मुख्यमंत्री हमेशा 'म्यूट' मोड में रहते हैं। द्रमुक नेता ने राज्य के पारंपरिक कैलेंडर से इतर 'वैकासी अनुषम' मनाने पर भी सवाल उठाया। उन्होंने पूछा, तमिलनाडु सरकार आधिकारिक तौर पर जनवरी में तिरुवल्लुवर दिवस मनाती है। इसे वैकासी अनुषम' के मौके पर मनाने की यह मनगढ़ंत प्रथा कहां से आई?

उदयनिधि ने पूर्ववर्ती द्रमुक सरकार की विरासत का हवाला देते हुए कहा, द्रमुक शासन के दौरान, जब तत्कालीन राज्यपाल ने इसी तरह का हथकंडा अपनाने की कोशिश की थी, तब हमने उनकी कड़ी निंदा की थी। अब वह एक बार फिर तमिल लोगों के आत्मसम्मान की परीक्षा ले रहे हैं। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के प्रदेश सचिव पी शणमुगम ने राज्यपाल पर निशाना साधते हुए एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि जहां तिरुवल्लुवर ने जन्म से समानता पर जोर दिया, वहीं राज्यपाल उन्हें सनातनी के रूप में पेश करते हैं, जो निंदनीय है।

शणमुगम ने लिखा, किसी भी धर्म से संबंध न रखने वाले तिरुवल्लुवर को भगवा पोशाक में दर्शाया जाना उनका अपमान है। इसके लिए राज्यपाल आर्लेकर को तमिलनाडु की जनता से माफी मांगनी चाहिए। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) के प्रदेश सचिव एम वीरपांडियन ने संवाददाताओं से बातचीत के दौरान लोक भवन में तिरुवल्लुवर को भगवा पोशाक में दर्शाए जाने के घटनाक्रम को अस्वीकार्य करार दिया।

उन्होंने कहा, राज्यपाल को तमिल संस्कृति से जुड़े पहलुओं का सम्मान करना चाहिए। अगर इन सांस्कृतिक पहलुओं को गलत दिशा में मोड़ा गया, तो समय इसे स्वीकार नहीं करेगा और इतिहास इसे माफ नहीं करेगा।

मरुमलार्ची द्रविड़ मुनेत्र कषगम (एमडीएमके) के महासचिव वाइको ने इस घटनाक्रम के बारे में पूछे जाने पर राज्यपाल की आलोचना की। उन्होंने कहा, यह (तिरुवल्लुवर के चित्र को भगवा रंग देना) सरासर धूर्तता है।

लोक भवन में तिरुवल्लुवर के चित्र को भगवा वस्त्र में दर्शाने के लिए कितनी हिम्मत होनी चाहिए। क्या उन्हें लगता है कि तमिलनाडु इतना कमजोर है?

मुरुगन ने चोल काल के ताम्रपत्र वापस लाने के लिए प्रधानमंत्री मोदी की सराहना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण राज्य मंत्री एल. मुरुगन ने रविवार को घोषणा की कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा हाल में नीदरलैंड से वापस लाया गया चोलकालीन ताम्रपत्र अभिलेख (सेप्पु पट्टयम) जल्द ही तमिलनाडु में उसके मूल स्थान पर ले जाया जाएगा।

मुरुगन ने प्रधानमंत्री मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात' के 134वें एपिसोड को सुनने के बाद संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि इस ऐतिहासिक धरोहर की वापसी भारत की सांस्कृतिक विरासत को पुनर्स्थापित और संरक्षित करने के केंद्र सरकार के निरंतर प्रयासों को दर्शाती है।

उन्होंने कहा, ''हाल में पांच देशों की यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नीदरलैंड से चोल काल के ताम्रपत्र अभिलेख वापस लेकर आए। इन ऐतिहासिक ताम्रपत्रों को जल्द ही तमिलनाडु में उनके उचित स्थान पर लौटाने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं।''

सूचना एवं प्रसारण राज्य मंत्री ने तमिलनाडु के लोगों की ओर से प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त किया और कहा कि केंद्र सरकार विदेशों में तस्करी करके ले जाई गई 600 से अधिक प्राचीन मूर्तियों को पहले ही वापस लाने में सफल रही है, जिनमें से अनेक को राज्य के मंदिरों में पुनः स्थापित किया जा चुका है।

मुरुगन ने चोल वंश की विरासत को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के लिए मोदी के प्रयासों की भी सराहना की। उन्होंने कहा, ''चोलों का इतिहास गौरवशाली रहा है। प्रधानमंत्री मोदी इससे पहले गंगईकोंडा चोलापुरम गए थे, जहां उन्होंने श्रद्धांजलि अर्पित करके यह रेखांकित किया था कि कैसे चोलों ने समुद्र पार तक अपना प्रभाव विस्तारित किया। उन्होंने एक बार फिर उनकी समृद्ध विरासत की ओर अंतरराष्ट्रीय समुदाय का ध्यान आकर्षित किया है।''

भाजपा नेता ने 'मन की बात' के ताजा एपिसोड का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने तमिलनाडु की प्रसिद्ध सलेम और मालगोवा आम की किस्मों का उल्लेख किया तथा स्कूली छात्रों की परोपकारी पहलों की सराहना की।

मुरुगन ने कहा, ''उन्होंने विशेष रूप से नागरकोइल के जयगोपाल गरोड़िया स्कूल के छात्रों और उनकी मार्गदर्शक गिरिजा अम्मा की प्रशंसा की। प्रतिदिन केवल एक रुपये की बचत करके छात्रों ने सैनिकों के कल्याण के लिए 40 लाख रुपये जुटाने में सफलता हासिल की।''

उन्होंने कहा कि 'मन की बात' देशभर के आम नागरिकों के अपेक्षाकृत अनदेखे, लेकिन महत्वपूर्ण योगदान को पहचान देने और सम्मान करने वाले मंच के रूप में विकसित हो गया है।

तमिलनाडु में 'खरीद-फरोख्त' की सीबीआई जांच की अन्नाद्रमुक की मांग का द्रमुक ने समर्थन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। द्रमुक के वरिष्ठ नेता टी के एस एलंगोवन ने रविवार को अन्नाद्रमुक की उस मांग का समर्थन किया जिसमें चार विधायकों के इस्तीफे के बाद ''खरीद-फरोख्त'' के आरोपों की सीबीआई जांच की मांग की गई थी। ये विधायक बाद में सत्तारूढ़ दल टीवीके में शामिल हो गए थे। एलंगोवन ने विधायकों के अचानक इस्तीफे पर सवाल उठाते हुए पत्रकारों से कहा कि यह मांग ''वास्तविक'' है।

उन्होंने कहा, ''इससे अन्नाद्रमुक प्रभावित हुई है। चार विधायकों ने इस्तीफा दे दिया है और टीवीके में शामिल हो गए हैं। इसका कारण क्या है? वे बेवजह अपनी विधायक सीट कैसे खो सकते हैं, जिसे उन्होंने हाल ही में जीता था? इसलिए, पार्टी बदलने के अलावा भी कुछ और कारण होगा।'' एलंगोवन ने कहा कि जांच की मांग उचित है।

अन्नाद्रमुक के चार विधायकों – के. मरगथम कुमारवेल (मदुरंथकम विधानसभा क्षेत्र), एस. जयकुमार (पेरुंदुराई), पी. सत्यबामा (धरपुरम) और एसाक्की सुबाया (अंबासमुद्रम) ने विधायक पद से इस्तीफा दे दिया और टीवीके में शामिल हो गए। ये सभी अन्नाद्रमुक के बागी विधायकों में शामिल थे जिन्होंने 13 मई को विधानसभा में बहुमत परीक्षण के दौरान टीवीके सरकार के पक्ष में मतदान किया था।

अंबुमणि ने टीवीके से तमिलनाडु सरकार में रिक्तियों को भरने का आग्रह किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। पट्टाली मक्कल काची (पीएमके) नेता अंबुमणि रामदास ने रविवार को तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) सरकार से तमिलनाडु के सरकारी विभागों में बढ़ती रिक्तियों को भरने के लिए ठोस कदम उठाने का आग्रह किया, ताकि राज्य के युवाओं को रोजगार मिल सके। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने यहां जारी एक बयान में कहा, ''मई के अंत तक तमिलनाडु सरकार के विभिन्न विभागों से 5,000 से अधिक

कर्मचारी सेवानिवृत्त हो चुके हैं। इसके साथ ही राज्य सरकार की सेवाओं में कुल रिक्त पदों की संख्या पांच लाख से अधिक हो गई है, जो सरकारी विभागों में 41.7 प्रतिशत रिक्ति दर को दर्शाती है। इससे लोक प्रशासन अस्थिर हो रहा है।''

अंबुमणि ने कहा कि ''तमिलनाडु के सरकारी विभागों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और स्थानीय निकायों में स्वीकृत पदों की संख्या 12 लाख से अधिक है। उन्होंने दावा किया, मौजूदा अधिकतर रिक्तियां वर्षों से अधिकारियों द्वारा इन्हें भरने के लिए कार्रवाई न करने के कारण पैदा हुई हैं।''

उन्होंने कहा, ''हर वर्ष औसतन लगभग 50,000 सरकारी पद रिक्त होते हैं, लेकिन उनमें से केवल लगभग 10,000 पद ही भरे जाते हैं।'' उन्होंने कहा, ''इसके परिणामस्वरूप पिछले दो दशकों में रिक्त पदों की संख्या लगातार बढ़ती गई है। सार्वजनिक सेवाओं में पर्याप्त संख्या में भर्ती नहीं होने के कारण सरकारी नौकरी लाखों शिक्षित युवाओं के लिए एक दूर का सपना बन गई है।'' उन्होंने यह भी कहा कि जब द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) 2021 में सत्ता में आई थी, तब उसने कुल 5.5 लाख लोगों को सरकारी नौकरी देने का वादा किया था। अंबुमणि ने आरोप लगाया, लेकिन पांच वर्षों में पार्टी ने कुल मिलाकर केवल लगभग 50,000 लोगों को ही सरकारी रोजगार दिया है।

केरल में सीबीआई को सौंपी जा सकती है एडीएम नवीन बाबू मौत मामले की जांच

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम। केरल की संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) सरकार अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट (एडीएम) नवीन बाबू की मौत की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को सौंप सकती है।

कांग्रेस विधायक पझाकुलम मधु ने रविवार को बताया कि मुख्यमंत्री वी.डी. सतीशन ने 29 मई को राज्य विधानसभा स्थित अपने कार्यालय में नवीन बाबू की पत्नी से मुलाकात के दौरान उन्हें सीबीआई जांच का आश्वासन दिया था।

रान्नी निर्वाचन क्षेत्र से विधायक मधु ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, मंत्रिमंडल की अगली बैठक में इस संबंध में निर्णय लिये जाने की संभावना है। मधु के अनुसार, नवीन बाबू के परिजनों ने मुख्यमंत्री से हस्तक्षेप की मांग इसलिए की, क्योंकि वे मामले की पुलिस जांच से संतुष्ट नहीं थे।

इस मामले की वजह से वर्ष 2024 में केरल में राजनीतिक विवाद उत्पन्न हो गया था। इस मामले में कन्नूर की पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष पी.पी. दिव्या एकमात्र आरोपी हैं।

नवीन बाबू 14 अक्टूबर 2024 को कन्नूर स्थित अपने सरकारी आवास में मृत पाए गए थे। इससे एक दिन पहले दिव्या ने कन्नूर जिला कलेक्टरेट में आयोजित एक सार्वजनिक विदाई समारोह के दौरान उनपर कथित रूप से भ्रष्टाचार के आरोप लगाए थे। इस वर्ष मार्च में थलास्सेरी की अतिरिक्त सत्र अदालत ने नवीन बाबू की मृत्यु के मामले में विस्तृत जांच के आदेश दिए थे।

अदालत ने बाबू के परिजनों द्वारा दायर उन याचिकाओं को स्वीकार किया था, जिनमें मामले की नए सिरे से जांच और दिव्या के आधिकारिक मोबाइल फोन के कॉल डाटा रिकॉर्ड (सीडीआर) पेश करने की मांग की गई थी। पुलिस ने पहले इस मामले में प्राथमिकी दर्ज की थी और बाद में दिव्या के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में आरोपपत्र दाखिल किया था।

तत्कालीन विपक्षी दलों की आलोचना के बाद भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के कन्नूर नेतृत्व ने दिव्या को उनके पद से हटा दिया था। बाद में उन्हें पार्टी की जिला समिति से हटाकर शाखा समिति में भेज दिया गया और पार्टी के भीतर उनके सभी निर्वाचित पद भी वापस ले लिये गए।

तिरुनेलवेली और तेनकाशी में गिरोह के हमला मामले में संदिग्ध हिरासत में लिया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के तिरुनेलवेली और तेनकाशी जिलों में मोटरसाइकिल सवार एक गिरोह के सदस्यों द्वारा किए गए सिलसिलेवार हमलों के मामले में पुलिस ने एक संदिग्ध को मुठभेड़ के बाद काबू में कर लिया और उसे हिरासत में ले लिया। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। दोपहिया वाहनों पर सवार एक गिरोह के नौ नकाबपोश बदमाशों ने 28 और 29 मई को तिरुनेलवेली और तेनकाशी जिलों में अनुसूचित जाति समुदाय के लोगों पर हंसिया से अंधाधुंध हमला किया। हमले के तुरंत बाद गिरोह के सदस्य मौके से फरार हो गए। हमले में घायल हुए सात लोगों को सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने बताया कि उन्हें पता चला कि संदिग्धों में से एक तेनकाशी जिले के नेत्तूर का रहने वाला अय्यप्पन, उत्तरी अरियानायगीपुरम के अरसांगुलम क्षेत्र में छिपा हुआ है। उसने बताया कि इसके बाद इस मामले के लिए गठित विशेष पुलिस दल उसे पकड़ने के लिए वहां पहुंचा। पुलिस ने एक बयान में कहा, ''अय्यप्पन को पकड़ने की कोशिश के दौरान उसने पुलिस दल पर हथियार से हमला करने का प्रयास किया। पुलिस ने आत्मरक्षा में गोली चलाई, जिसमें आरोपी को गोली लगी।'' पुलिस ने बताया कि उसे तुरंत चिकित्सा उपचार के लिए चेरनमहादेवी के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने बताया कि तिरुनेलवेली के पुलिस अधीक्षक वी. प्रसन्न कुमार ने अस्पताल पहुंचकर घायल आरोपी की स्थिति की जानकारी ली।

सेंट्रल बैंक की दूसरी छमाही में संपत्ति प्रबंधन, क्रेडिट कार्ड कारोबार शुरू करने की योजना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया ने शुल्क आधारित आय बढ़ाने के लिए चालू वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में संपत्ति प्रबंधन सेवाएं और क्रेडिट कार्ड कारोबार शुरू करने की योजना बनाई है। बैंक के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) कल्याण कुमार ने 'पीटीआई-भाषा' से साक्षात्कार में कहा कि इसके लिए निदेशक मंडल से मंजूरी मिल चुकी है। उन्होंने कहा, हम इस क्षेत्र में विशेषज्ञता रखने वाले साझेदारों को जोड़ने के लिए प्रस्ताव आमंत्रित करने की प्रक्रिया में हैं, ताकि यह कारोबार शुरू किया जा सके। उम्मीद है कि चालू वित्त वर्ष के मध्य तक हम इसे शुरू करने की स्थिति में होंगे। कुमार ने कहा कि बैंक गैर-ब्याज आय बढ़ाने वाले अन्य उत्पाद भी पेश करने की योजना बना रहा है।

सेन्ट्रल बैंक ऑफ़ इंडिया

उन्होंने कहा कि कॉरपोरेट ग्राहकों के लिए नकदी प्रबंधन सेवाएं काफी महत्वपूर्ण हैं। यह उत्पाद विकसित किया जा रहा है और अगस्त तक इसे पेश किए जाने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, हम ऋण पत्र (एलसी) और गारंटी पत्र (एलजी) के कारोबार के जरिये विदेशी मुद्रा लेनदेन को केंद्रीकृत कर रहे हैं। साथ ही विदेशी मुद्रा कारोबार भी शुरू कर रहे हैं। कुमार ने कहा कि शुरुआत में बैंक अपने उन कॉरपोरेट ग्राहकों को लक्ष्य बनाएगा जो वर्तमान में ये सेवाएं अन्य बैंकों से ले रहे हैं।

तमिलनाडु में राज्यसभा नामांकन प्रक्रिया आज से, टीवीके को पहली बार उच्च सदन में सीट मिलने की संभावना

चेन्नई। तमिलनाडु से राज्यसभा की एक सीट को भरने के लिए नामांकन प्रक्रिया सोमवार से शुरू होगी और सत्तारूढ़ तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) को उच्च सदन में पहली सीट मिलने की उम्मीद है। ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) नेता सी. वी. षणमुगम ने मैलाम विधानसभा क्षेत्र से जीत हासिल करने के बाद सात मई, 2026 को राज्यसभा से इस्तीफा दे दिया था, जिसके बाद यह सीट रिक्त हो गई थी। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि टीवीके इस सीट के लिए खुद मैदान में खड़ी होगी या इसे किसी गठबंधन सहयोगी, विशेष रूप से कांग्रेस को आवंटित करेगी।

राज्य विधानसभा चुनाव के बाद टीवीके के पास सरकार बनाने के लिए पर्याप्त बहुमत नहीं था, इस बीच कांग्रेस उसे समर्थन देने वाली पहली पार्टी थी। निर्वाचन आयोग (ईसी) के सूत्रों के अनुसार, नामांकन-पत्र एक से आठ जून तक दाखिल किए जा सकते हैं और नामांकन पत्रों की जांच नौ जून को होगी। नामांकन वापस लेने की अंतिम तिथि 11 जून है। मतदान 18 जून को सुबह नौ बजे से शाम चार बजे तक होगा। मतगणना उसी दिन शाम पांच बजे शुरू होगी।

ट्रैफिक और जनता की परेशानी से बचने के लिए 'लोक भवन' में होगा शपथ ग्रहण समारोह : डीके शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कांग्रेस विधायक दल के नेता डीके शिवकुमार ने स्पष्ट किया है कि बेंगलूरु के नागरिकों को किसी भी तरह की असुविधा से बचाने के लिए आगामी मुख्यमंत्री शपथ ग्रहण समारोह विधान सौधा की सीढ़ियों के बजाय 'लोक भवन' में आयोजित किया जाएगा।

रविवार को रेस कोर्स रोड के पास प्रस्तावित नए कांग्रेस भवन की निर्माण साइट का निरीक्षण करने के बाद मीडिया से बात करते हुए उन्होंने यह जानकारी दी। शिवकुमार ने कहा कि बाहर से आने वाले वाहनों के कारण शहर में ट्रैफिक जाम न हो, इसलिए यह फैसला लिया गया है। यह कार्यक्रम बेहद सादगी से होगा और कार्यकर्ताओं से अपील की गई है कि जगह की कमी के कारण वे इस व्यवस्था को समझें।

जगह की कमी के कारण इस कार्यक्रम में आम जनता को आने की अनुमति नहीं होगी। इसमें केवल पार्टी के ब्लॉक और जिला अध्यक्ष, विधायक, पूर्व विधायक, फ्रंटलाइन यूनिट के अध्यक्ष, सांसद और विभिन्न निगमों व बोर्डों के अध्यक्षों जैसे आमंत्रित पदाधिकारियों को ही बुलाया जाएगा।

एलईडी स्क्रीन पर लाइव

शिवकुमार ने कहा कि पार्टी के उन सभी कार्यकर्ताओं और नेताओं को शपथ ग्रहण में सीधे शामिल कर पाना मुमकिन नहीं है, जिन्होंने पार्टी की जीत के लिए दिन-रात मेहनत की है। इसलिए, नए भवन की साइट पर बड़ी एलईडी स्क्रीन लगाई जा रही हैं ताकि सभी कार्यकर्ता वहाँ लाइव प्रोग्राम देख सकें।

मंत्रियों के शपथ ग्रहण पर सस्पेंस

जब मीडिया ने उनसे पूछा कि क्या उनके साथ अन्य मंत्री भी उसी दिन शपथ लेंगे, तो शिवकुमार ने इस पर सीधा जवाब न देते हुए कहा, मुझे इस बारे में फिलहाल कोई जानकारी नहीं है।

3 जून को नए कांग्रेस भवन का शिलान्यास

डीके शिवकुमार ने बताया कि 3 जून को शपथ ग्रहण समारोह के ठीक बाद, रेस कोर्स रोड के पास नए कांग्रेस भवन के निर्माण के लिए भूमि-पूजन (ग्राउंड-ब्रेकिंग सेरेमनी) की योजना बनाई गई है। इस कार्यक्रम के लिए एआईसीसी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी को आमंत्रित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम को लेकर वरिष्ठ नेता रामलिंगा रेड्डी के नेतृत्व में कार्यालय के शिलान्यास की तैयारियां ज़ोर-शोर से चल रही हैं।

लूट के दो अलग-अलग मामलों में चार लोग गिरफ्तार

बेंगलूरु। यहां हेब्बागोड़ी पुलिस स्टेशन थाना क्षेत्र में लूट के मामले में अलग-अलग दो मामलों में एक मोबाइल फोन, एक दोपहिया वाहन और एक ऑटो-रिक्शा जब्त किया गया है जिसकी कुल कीमत 1.30 लाख रुपए बताई जा रही है।

एक मामले में, 21 मई को, हेब्बागोडी पुलिस स्टेशन की सीमा के भीतर हुलीमंगला मुख्य सड़क पर एक बार के पास, दो लोगों ने पैदल चल रहे एक व्यक्ति से मोबाइल फोन छीन लिया। संयि दूसरे मामले में, 24 मई को, यारंदाहल्ली गांव में, तीन अज्ञात लोगों ने एक व्यक्ति को रोककर उससे उसका दोपहिया वाहन लूट लिया।

जांच को आगे बढ़ाते हुए, पुलिस ने विभिन्न कोणों से पूछताछ की। मुखबिरों से मिली विशिष्ट जानकारी के आधार पर, 27 मई को, शिकारीपाल्या के पास, दो लोगों को हिरासत में लिया गया; उनके पास से अपराध में इस्तेमाल किया गया मोबाइल फोन और दोपहिया वाहन भी बरामद हुआ।

सवारी डिब्बा कारखाना, चेन्नै – 38

निम्नलिखित ई-निविदाएं आईआरईपीएस वेबसाइट पर प्रकाशित की गई हैं। फर्मों से अनुरोध है कि वे www.ireps.gov.in पर लॉग इन करें और निविदा के लिए कोट करें। निविदा के लिए मैनुअल कोटेशन पर विचार नहीं किया जाएगा।

खुली निविदा सं.	मद का संक्षिप्त विवरण	निविदा का मूल्य (रुपए में)
2026499 212227	ईएमयू / एमईएमयू कोचों में खिड़की, अलार्म क्लिप और नोटिस लगाने के लिए कार्य अनुबंध	14,73,690.15
2026499 212232	कोलकाता मेट्रो कोचों के लिए स्टैंडअलोन एस्पिरेशन टाइप ऑटोमैटिक स्मोक / फायर डिटेक्शन विद अलार्म सिस्टम की स्थापना और कमीशनिंग का कार्य अनुबंध।	8,48,006.24
2026499 212239	एलएचबी कोचों में फर्श का काम करने के लिए कार्य अनुबंध	53,80,218.15
2026499 212240	ईएमयू और एमईएमयू कोचों में फर्श का काम करने के लिए कार्य अनुबंध	44,75,550.28

निविदा बंद होने की तारीख: 24.06.2026 at 14.45 Hrs / खुलने की तारीख: 24.06.2026 at 15,00 Hrs

उप मुख्य यांत्रिक+ इंजीनियर –फर. III

टीएमसी की हार के बाद पश्चिम बंगाल में हिंसा की घटनाएं बढ़ीं : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद अभिषेक बनर्जी पर हमले की खबरों के बाद रविवार को राज्य में कानून-व्यवस्था के बिगड़ने का आरोप लगाया और इसके लिए भाजपा तथा निर्वाचन आयोग को जिम्मेदार ठहराया।

बनर्जी पर हमले पर प्रतिक्रिया देते हुए गहलोत ने दावा किया कि चुनावों में टीएमसी की हार के बाद राज्य में हिंसा की घटनाएं बढ़ गई हैं। उन्होंने पत्रकारों से कहा, बनर्जी के बारे में जो आप कह रहे हैं, वह इसलिए सामने आ रहा है क्योंकि वह प्रमुख नेता हैं। लेकिन चुनावों के बाद से पश्चिम बंगाल में व्यापक 'गुंडागर्दी' हो रही है। गहलोत ने आरोप लगाया कि टीएमसी कार्यकर्ताओं के दफ्तरों पर हमले किए जा रहे हैं और उन्हें जबरन खाली कराया जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि इन घटनाओं में भाजपा और आरएसएस से जुड़े लोग शामिल हैं।

उन्होंने निर्वाचन आयोग की भी आलोचना की और कहा कि चुनाव के दौरान असामान्य रूप से बड़ी संख्या में सुरक्षा बलों की तैनाती ने प्रक्रिया को प्रभावित किया। गहलोत ने कहा, एक ही राज्य में करीब 2.5 लाख जवानों की तैनाती की गई। यह अभूतपूर्व था। निर्वाचन आयोग ने यह स्थिति पैदा की। कांग्रेस नेता ने दावा किया कि लगभग 27 लाख मतदाताओं को उनके मतदान अधिकार से वंचित कर दिया गया।

कई इलाकों में बारिश, फलोदी में अधिकतम तापमान 42.6 डिग्री दर्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पूर्वी हिस्सों में कई स्थानों पर तथा राज्य के पश्चिमी भागों में कुछ स्थानों पर रविवार सुबह तक बीते 24 घंटों के दौरान हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग ने यह जानकारी दी। मौसम विभाग के अनुसार, कोटपूतली-बहरोड़ जिले के शाहपुरा में सर्वाधिक 55 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई। मौसम विज्ञान केंद्र ने बताया कि राज्य के विभिन्न हिस्सों में कुछ स्थानों पर गरज-चमक, धूलभरी आंधी चलने और ओलावृष्टि की गतिविधियां भी दर्ज की गईं। विभाग के अनुसार, इस अवधि में राज्य का अधिकतम तापमान फलोदी में 42.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि न्यूनतम तापमान सिरोही में 18.2 डिग्री सेल्सियस रहा।

अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप की बेटी टिफनी पति के साथ जैसलमेर पहुंची

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जैसलमेर। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बेटी टिफनी ट्रंप अपने पति माइकल बुलोस के साथ रविवार सुबह निजी दौरे पर राजस्थान के जैसलमेर पहुंचीं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। दंपति विशेष विमान से दिल्ली से जैसलमेर सिविल हवाई अड्डे पहुंचे, जहां सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। जिला कलेक्टर अनुपमा जोरवाल और पुलिस अधीक्षक अभिषेक शिवहरे ने उनका स्वागत किया। हाई-प्रोफाइल आगंतुकों के लिए सम रोड क्षेत्र के एक होटल में विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं। पूरे शहर में सुरक्षा बढ़ा दी गई है और स्थानीय पुलिस, भारतीय सुरक्षा एजेंसियों के साथ-साथ अमेरिकी सीक्रेट सर्विस के कर्मियों को भी तैनात किया गया है।

अधिकारियों के अनुसार, अपने प्रवास के दौरान दंपति सोनार किला, पटवों की हवेली और गड़ीसर झील जैसे प्रमुख पर्यटन स्थलों का भ्रमण करेंगे। एक रात ठहरने के बाद उनके सोमवार को दिल्ली लौटने की संभावना है। अधिकारियों ने बताया कि इस दौरे से स्थानीय पर्यटन क्षेत्र में उत्साह का माहौल बना है।

स्वरोजगार की ओर बढ़ें युवा, राज्य सरकार करेगी मदद : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार ने पहले दिन से ही युवाओं के सपनों को साकार करने के लिए निर्णायक कदम उठाए हैं। 4 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी देने एवं 6 लाख युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में काम हो रहा है। इसी क्रम में 1 लाख 25 हजार से अधिक सरकारी पदों पर नियुक्तियां प्रदान की गई हैं, 1 लाख 35 हजार से अधिक पदों पर भर्तियां प्रक्रियाधीन हैं एवं इस वर्ष 1 लाख 25 हजार पदों का भर्ती कैलेण्डर भी जारी किया गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ईंधन बचत की अपील को आत्मसात कर बड़ी संख्या में युवा मुख्यमंत्री निवास पर आयोजित संवाद कार्यक्रम में साईकिल से पहुंचे। इस दौरान मुख्यमंत्री ने युवाओं का उत्साहवर्धन किया। वहीं, उन्होंने आह्वान किया कि विकसित राजस्थान-2047 के सपने को साकार करने में युवा अपनी अहम भूमिका निभाएं।

मुख्यमंत्री रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर युवाओं से संवाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पेपरलीक ने युवाओं के सपनों को तोड़ा, लेकिन हमारी सरकार ने इस पर कड़ी कार्रवाई करते हुए दोषियों को सलाखों के पीछे भेजा है। हमारे कार्यकाल में बिना पेपरलीक के 350 से अधिक परीक्षाएं आयोजित हुई हैं। वहीं, प्रदेश के युवाओं को प्रगति के नए अवसर उपलब्ध कराने के लिए युवा नीति भी लाई गई है। उन्होंने कहा कि युवाओं को स्थानीय स्तर पर ही स्वरोजगार के अवसर मिले, इसके लिए भी कार्य किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में ग्राम स्तर पर युवाओं के लिए अटल ज्ञान केन्द्रों को विकसित किया जा रहा है, जिसके माध्यम से युवा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारियों को मजबूती प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि करीब 4 लाख युवाओं को कौशल प्रशिक्षण प्रदान किया गया। 436 रोजगार सहायता शिविर आयोजित किए हैं, युवा उद्यमिता प्रोत्साहन योजना के अन्तर्गत 6 प्रतिशत ब्याज पुनर्भरण हेतु ऋण की सीमा को बढ़ाकर 2 करोड़ रुपये किया है। योजना के अन्तर्गत 248 करोड़ रुपये के ऋण स्वीकृत किए गए हैं। वहीं, राजस्थान स्टार्टअप कार्यक्रम के तहत फंडिंग प्रदान की गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने प्रदेश के विकास की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए रोडमैप बनाया, जिसके तहत सबसे पहले जल उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए राम जल सेतु लिंक परियोजना और यमुना जल समझौते को धरातल पर उतारने के लिए तेजी से काम किया जा रहा है। वहीं, आईजीएनपी एवं गंग नहर का सुदृढ़ीकरण, देवास परियोजना का विस्तार, ब्राह्मणी नदी एवं माही बांध परियोजना जैसे अनेक कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2027 तक प्रदेशभर के किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध कराई जाएगी। इसी क्रम में 26 जिलों के किसानों को दिन में बिजली दी जा रही है।

उन्होंने कहा कि हमने राइजिंग राजस्थान का आयोजन कर 35 लाख करोड़ रुपये के एमओयू किए, जिनमें से 9 लाख करोड़ रुपये के एमओयू धरातल पर उतर चुके हैं। गांवों और शहरी वार्डों के विकास का रोडमैप बनाने के लिए मुख्यमंत्री विकसित ग्राम-वार्ड अभियान चलाया गया। उन्होंने कहा कि ग्राम विकास रथों के माध्यम से प्रदेश में किसान कल्याण की दिशा में कार्य किया गया है।

जल संचय के लिए वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान और कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान में उल्लेखनीय कार्य हो रहे हैं। हमारी सरकार ने हरियालो राजस्थान अभियान चलाकर लगभग 20 करोड़ पौधारोपण का कार्य किया है। इस वर्ष भी 10 करोड़ पौधारोपण का लक्ष्य रखा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान में डेयरी, सहकारिता, पर्यटन, खनन सहित विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार की अपार संभावनाएं हैं। इसलिए युवा इन क्षेत्रों से जुड़कर अपनी आजीविका का मार्ग प्रशस्त करें। उन्होंने कहा कि डेयरी सेक्टर में दूध संकलन केन्द्रों की संख्या एवं प्रसंस्करण इकाइयों की क्षमता में वृद्धि की गई है। वहीं, सहकारिता क्षेत्र को मजबूती प्रदान करने के लिए नए सदस्य बनाए गए हैं। साथ ही, निरंतर नवीन पैक्स भी खोले जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि युवाओं को आगे बढ़ने के लिए अनेक चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, लेकिन अपनी मेहनत और जुनून से वे बुलंदियों तक पहुंचते हैं। उन्होंने कहा कि देश की आजादी में भगत सिंह, चन्द्रशेखर आजाद, रामप्रसाद बिस्मिल जैसे युवा स्वतंत्रता सेनानियों का अहम योगदान रहा। इसलिए प्रदेश का युवा इन्हें अपनी प्रेरणा का स्रोत बनाए और अध्ययन के जरिये ज्ञान में वृद्धि कर जीवन का मार्ग प्रशस्त करे। इस अवसर पर राज्य वित्त आयोग अध्यक्ष डॉ. अरुण चतुर्वेदी, युवा मामले एवं खेल राज्य मंत्री के.के. विश्नोई, सांसद मदन राठौड़, पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ सहित बड़ी संख्या में युवा उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने युवाओं के साथ सुना 'मन की बात' कार्यक्रम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को 'मन की बात' कार्यक्रम के '134वें संस्करण' में देशवासियों को संबोधित किया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने युवाओं के साथ मुख्यमंत्री निवास पर इस कार्यक्रम को सुना। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में झारखंड के रांची में नेशनल सीनियर एथलेटिक्स फेडरेशन प्रतियोगिता का जिक्र किया तथा एथलीट गुरिंदरवीर सिंह और अनिमेष कुजूर से बातचीत की। उन्होंने देशवासियों से तेज गर्मी में अपना ध्यान रखने की अपील की तथा विभिन्न राज्यों के आमों की किस्मों का जिक्र किया। उन्होंने केरलम के आलुवा में साजी वलाशेरिल द्वारा चलाए जा रहे अनोखे स्वीमिंग क्लब, एस्ट्रोनॉमी क्लब, बेंगलुरु एस्ट्रोनॉमिकल सोसाइटी, नाइट ऑब्जर्वेशन कैम्प, बिग बैंग एस्ट्रोनॉमी क्लब, आईसैक, भारत की पहली गंगा डॉलफिन रेस्क्यू एम्बुलेंस, उत्तरप्रदेश के बस्ती जिले में आकाश गुप्ता के मनोरमा नदी को बचाने के प्रयास, गोवा के बालकृष्ण अइया के पाइपलाईन बिछाने के प्रयास और तमिलनाडू की गिरिजा अम्मा की ओर से सैनिकों के लिए चलाए जा रहे अभियान का जिक्र किया।

उन्होंने बीते दिनों अपनी नीदरलैंड यात्रा से चोला काल की प्राचीन ताम्र पट्टिकाओं की भारत वापसी का भी उल्लेख किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है। इसलिए वे सामाजिक सरोकार के कार्यों से जुड़ें तथा नवाचार अपनाकर अपने कौशल में वृद्धि भी करें। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विचार युवाओं को सकारात्मक परिवर्तन और विकसित भारत के निर्माण के लिए प्रेरित करते हैं।

सिंगल स्क्रीन से शहर की पहचान बना जयपुर का 'राजमंदिर' मना रहा 'गोल्डन जुबली'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। ओटीटी के दौर में सिनेमाघरों की चमक भले ही फीकी पड़ गई हो, लेकिन जयपुर का प्रतिष्ठित राजमंदिर अपनी शाही शैली और अनोखे माहौल के साथ आज भी सिने प्रेमियों का दिल जीत रहा है। एक जून को राजमंदिर के 50 साल पूरे होने पर सिने प्रेमियों को पांच फिल्में मुफ्त दिखाई जाएंगी। राजमंदिर सिनेमा के संचालकों ने बताया कि गोल्डन जुबली सेलिब्रेशन के तहत राजमंदिर में उन फिल्मों को दिखाया जाएगा, जिन्होंने सिनेमा प्रेमियों के दिलों में खास जगह बनाई है। इन फिल्मों में 'हम आपके हैं कौन', 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे', 'राम तेरी गंगा मैली', 'जिंदगी ना मिलेगी दोबारा' और 'चुपके-चुपके' शामिल हैं। फिल्मों का चयन परिवारों को ध्यान में रखकर किया गया है। दर्शकों को टिकट 'बुकमायशो' और राजमंदिर के बॉक्स ऑफिस विंडो से बुक करनी होगी।

राजमंदिर के वित्त प्रबंधक किशोर काला ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि राजमंदिर सिनेमाघर ने मनोरंजन उद्योग के हर उतार चढ़ाव को देखा और झेला है। हर दौर से गुजरा राजमंदिर अपनी खास पहचान की बदौलत आज गुलाबी नगर के आकर्षणों में शुमार है। अभिनेता राजकपूर, जितेन्द्र, अमिताभ बच्चन हो या धर्मेंद्र से लेकर सनी देओल, रणबीर कपूर, राजकुमार राव, विद्या बालन, विक्की कौशल, जाह्नवी कपूर तक, सभी ने राजमंदिर को भरपूर प्यार दिया है। जो आगंतुक डायरी में लिखी उनकी टिप्पणी से झलकता है। पूर्व राजमाता गायत्री देवी से लेकर वर्तमान में उपमुख्यंत्री दिया कुमारी भी राजमंदिर की मुरीद रही हैं।

जयपुर की व्यस्ततम और विख्यात मिर्जा इस्माइल रोड (एमआईरोड) के पांच बत्ती चौराहे के पास स्थित राजमंदिर में पहली फिल्म 'चरस' लगी, जो 101 दिन तक चली। वित्त प्रबंधक किशोर ने बताया कि राजमंदिर में हम आपके हैं कौन फिल्म 525 दिन तक चली थी। उन्होंने कहा, राजमंदिर एक पैलेस सिनेमा है। राजमंदिर में प्रवेश करते ही महल जैसा महसूस होता है। इसको चारों तरफ चाप की लकड़ी से सजाया गया है। इसमें जगह-जगह कांच का काम हुआ है। उन्होंने बताया कि खास बात यह है कि यह दो तरह की रोशनी से सुसज्जित है। जब दर्शक फिल्म देखने के लिए अंदर आते हैं तो उन्हें सफेद रंग देखने को मिलता है। मध्यांतर में जब दर्शक बाहर आते हैं तो नीली रोशनी से उनका स्वागत होता है।

वित्त प्रबंधक ने कहा, राजमंदिर को काफी संख्या में देशी-विदेशी पर्यटक देखने आते हैं। जो भी जयपुर में घूमने आता है वह इस सिनेमाघर को जरूर देखने आता है। अब तो यह उनके टूर पैकेज में शामिल हो गया है। किशोर का दावा है कि इसके परदे का आकार 73 गुणा 35 है, जोकि देश में सबसे बड़ा है और विश्व का तीसरा सबसे बड़ा सिनेमाघर है। इसमें एक समय में 1,186 लोग बैठकर फिल्म का आनंद ले सकते थे।

जल स्रोतों का संरक्षण और स्वच्छता हमारी साझी जिम्मेदारी : पटेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने रविवार को जोधपुर जिले की ग्राम पंचायत बड़ली स्थित बड़ली भेरूजी तालाब पर वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत श्रमदान कर आमजन से जल संरचनाओं के संरक्षण एवं संवर्धन में सहभागिता निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में जिला कलक्टर आलोक रंजन,जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी आशीष कुमार मिश्रा और प्रशिक्षु आईएएस उमेश कुमार मंचासीन अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

पटेल ने कहा कि गंगा दशमी के शुभ अवसर पर यशस्वी मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश भर में इस अभियान का शुभारम्भ किया, जो विश्व पर्यावरण दिवस तक चलेगा। उन्होंने कहा कि परंपरागत जल स्रोतों का संरक्षण और स्वच्छता हमारी साझा जिम्मेदारी है।

पटेल ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान से प्रेरणा लेकर 'हरियालो राजस्थान' अभियान में इस वर्ष भी राज्य सरकार ने 10 करोड़ पौधारोपण का लक्ष्य रखा है। उन्होंने कहा कि हरियालो राजस्थान और वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान प्रदेश में जनभागीदारी आधारित पर्यावरण एवं जल संरक्षण को नई दिशा प्रदान करेंगे।

पटेल ने कहा कि श्रमदान देश के प्रति समर्पण और सामुदायिक विकास का एक सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि श्रमदान से न केवल स्वच्छता और स्वास्थ्य सुधरता है बल्कि इससे श्रम के प्रति सम्मान की भावना भी पैदा होती है। उन्होंने कहा कि मारवाड़ में एकादशी पर सामूहिक श्रमदान की परंपरा रही है। यहां लोग बरसात से पूर्व तालाबों की साफ़-सफ़ाई करते थे। हमें मिलकर हमारी संस्कृति को पुनर्जीवित करना है।

संसदीय कार्य मंत्री ने बड़ली भेरूजी मंदिर में पूजा-अर्चना कर प्रदेश की खुशहाली एवं सुख-समृद्धि के लिए कामना की। उन्होंने पक्षियों के लिए परिंडे बांधे और वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। पटेल ने कहा कि बड़ली तालाब को मॉडल तालाब के रूप में विकसित किया जाएगा। साथ ही, विशाल घाट का भी निर्माण करवाया जाएगा।

महिलाओं को बराबरी का अवसर मिले बिना समाज की प्रगति असंभव : शेखावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि किसी भी समाज, देश या संस्थान की वास्तविक प्रगति तब तक संभव नहीं है, जब तक महिलाओं को समान अवसर और बराबरी का दर्जा नहीं दिया जाता। देश की 'आधी आबादी' (महिलाओं) को विकास की मुख्यधारा से जोड़ना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। रविवार को चौपासनी चारणान में आयोजित स्वर्गीय चंडीदान स्मृति सवासणी स्वाध्याय एवं निःशुल्क आवासीय कोचिंग केंद्र के उद्घाटन समारोह में केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि पिछले एक दशक में सामाजिक सोच और चेतना में व्यापक परिवर्तन देखने को मिला है। आज विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के परिणाम इस बात के प्रमाण हैं कि समाज की बेटियां अपनी प्रतिभा और परिश्रम के दम पर सफलता के नए आयाम स्थापित कर रही हैं।

उन्होंने कहा कि यदि, आर्थिक या संसाधनगत अभाव के कारण किसी ग्रामीण या गरीब परिवार के प्रतिभाशाली बच्चे को आगे बढ़ने का अवसर नहीं मिलता, तो यह केवल उस परिवार की नहीं, अपितु पूरे देश और समाज की क्षति है। ऐसे में, प्रतिभाओं को उचित मार्गदर्शन और संसाधन उपलब्ध कराना सामाजिक दायित्व है।

केंद्रीय मंत्री ने वर्ष 2014 का एक प्रसंग साझा करते हुए बताया कि गुजरात के राजकोट में समाजसेवी राजेंद्र सिंह ने महज दो लोगों के सहयोग और एक किराए के कमरे से युवाओं को प्रशासनिक एवं पुलिस सेवाओं की तैयारी करवाने का कार्य शुरू किया था। उन्होंने कहा कि एक समय ऐसा आया, जब पुलिस सब-इंस्पेक्टर भर्ती के 105 सामान्य पदों में से 95 अभ्यर्थी उसी संस्थान से चयनित हुए। शेखावत ने कहा कि पिछले तीन दशकों में उस संस्थान से पढ़कर सरकारी सेवाओं में पहुंचे युवाओं की कुल आय का मूल्यांकन किया जाए तो यह आंकड़ा 2000 करोड़ रुपए से अधिक बैठता है। उन्होंने कहा कि समाज के कुछ समर्पित और ईमानदार लोग यदि, किसी उद्देश्य के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करें तो वे हजारों परिवारों का भविष्य बदल सकते हैं।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इस आवासीय कोचिंग केंद्र का शुभारंभ केवल एक संस्थान का उद्घाटन नहीं, अपितु शिक्षा, महिला सशक्तीकरण और आत्मनिर्भरता के लिए समाज के सामूहिक संकल्प का प्रतीक है। यह केंद्र ग्रामीण और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों की बेटियों को प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं की तैयारी के लिए नया मंच उपलब्ध कराएगा।

संस्थान के संचालन में आने वाले बिजली खर्च को कम करने के लिए शेखावत ने भवन की छत पर सोलर पैनल लगाने का सुझाव दिया। उन्होंने इस दिशा में सहयोग के लिए ओसियां विधायक बैराराम सियोल से भी आग्रह किया।

समाज में एकता, संस्कार और सेवाभाव को मजबूती देने में धार्मिक संस्थानों की महत्वपूर्ण भूमिका : संजय शर्मा

जयपुर। वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने रविवार को अलवर में महावर धर्मशाला में आयोजित गोविंद देव जी महाराज मंदिर प्रबंध समिति के शपथ ग्रहण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। वन राज्यमंत्री संजय शर्मा ने नवगठित प्रबंध समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि धार्मिक एवं सामाजिक संस्थाएं समाज में एकता, संस्कार और सेवाभाव को मजबूत करने का कार्य करती हैं। उन्होंने कहा कि अलवर शहर के हृदयस्थल में भगवान गोविंद देव जी महाराज का करीब 170 वर्ष पुराना ऐतिहासिक मंदिर विराजमान है। उन्होंने कहा कि नई समिति मंदिर की परंपराओं, धार्मिक गतिविधियों तथा सामाजिक सरोकारों को और अधिक प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाएगी। उन्होंने कहा कि महावर जैन समाज ने सदैव सामाजिक समरसता, शिक्षा और जनकल्याण के क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने समाज के वरिष्ठजनों एवं युवाओं से संगठन की मजबूती और समाजहित के कार्यों में सक्रिय सहभागिता निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष अशोक गुप्ता सहित कार्यकारिणी सदस्य एवं आमजन उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सांस्कृतिक मूल्यों का हो रहा पुनर्जागरण : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा पुण्यश्लोक अहिल्याबाई होल्कर ने सेवा और न्याय को शासन का आधार बनाया। अहिल्याबाई ने समाज के अंतिम व्यक्ति के कल्याण के साथ ही देशभर में धार्मिक स्थलों के उत्थान के माध्यम से भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों को नई ऊर्जा प्रदान की। उनका जीवन हमें यह संदेश देता है कि शिक्षित, आत्मनिर्भर एवं सशक्त मातृ शक्ति ही देश और समाज की प्रगति का आधार है। उनके आदर्श वर्तमान में विकसित भारत एवं विकसित राजस्थान की नींव है।

मुख्यमंत्री रविवार को बिड़ला ऑडिटोरियम में पुण्यश्लोक अहिल्याबाई होल्कर की 301वीं जयंती पर प्रदेशस्तरीय समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अहिल्याबाई ने काशी विश्वनाथ मंदिर सहित अनेक तीर्थस्थलों के पुनरुद्धार में महत्वपूर्ण योगदान देने के साथ ही तीर्थराज पुष्कर में भी सरोवर के घाटों का निर्माण करवाया। धर्म और आस्था के साथ ही देवी होल्कर प्रशासनिक कुशलता तथा सैन्य नेतृत्व के लिए भी जानी जाती थीं। सेना में उन्होंने महिला सैन्य टुकड़ी का गठन कर अपनी दूरदृष्टि का परिचय दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बेटियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और आत्मनिर्भर बनने के अवसर प्रदान करना ही लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर के आदर्शों का वास्तविक अनुसरण है। इसी दिशा में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में महिला शिक्षा, महिला सशक्तीकरण और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए कई योजनाएं संचालित की जा रही हैं। साथ ही, हमारी सरकार ने बजट में घुमन्तू एवं अर्द्धघुमन्तू समाज के बच्चों के लिए स्कूल ऑन व्हील्स की घोषणा की है। उन्होंने आश्वस्त करते हुए कहा कि समाज के छात्र-छात्राओं के लिए जयपुर में छात्रावास निर्माण के लिए भूमि उपलब्ध करवाई जाएगी।

उन्होंने कहा कि लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर के धार्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के कार्यों के अनुरूप ही आज देश में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सांस्कृतिक पुनर्जागरण हो रहा है। अयोध्या में प्रभु श्रीराम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर, केदारनाथ धाम का पुनर्विकास, महाकाल लोक का निर्माण तथा सोमनाथ स्वाभिमान पर्व इसके उदाहरण हैं। उन्होंने कहा

हिमंत ने राजनाथ, जयशंकर से मुलाकात की

असम की प्रगति के लिए मार्गदर्शन मांगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को दिल्ली में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात की तथा राज्य को रक्षा क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभाने वाला बनाने एवं पड़ोसी देशों के साथ व्यापार और पर्यटन को बढ़ावा देने के तरीकों पर चर्चा की।

शर्मा ने सिंह से मुलाकात के दौरान असम विधानसभा के चुनाव प्रचार में भाग लेने के लिए उन्हें धन्यवाद भी दिया। मुख्यमंत्री ने कहा, ''रक्षा मंत्री आदरणीय राजनाथ सिंह जी से मिलना हमेशा ज्ञानवर्धक होता है। वह ज्ञान और बुद्धिमत्ता का भंडार हैं। एक उत्कृष्ट प्रशासक, समर्पित लोकसेवक और अनुभवी कार्यकर्ता के रूप में उनके व्यापक अनुभव से हमें बहुत कुछ सीखने को मिलता है।''

शर्मा ने कहा, ''आज अपनी मुलाकात के दौरान, मैंने असम चुनाव के दौरान उनके प्रभावशाली प्रचार के लिए उन्हें धन्यवाद दिया और आने वाले दिनों में रक्षा क्षेत्र में असम को एक प्रमुख राज्य के रूप में स्थापित करने के लिए उनका आशीर्वाद एवं मार्गदर्शन मांगा।'' मुख्यमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया पोस्ट में यह भी कहा कि शर्मा और सिंह ने ''देश के रक्षा तंत्र में असम की भूमिका को मजबूत करने के अवसरों पर चर्चा की''। जयशंकर के साथ अपनी मुलाकात के बारे में शर्मा ने 'एक्स' पर कहा, ''आज सुबह मुझे माननीय विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर जी से मुलाकात का सौभाग्य प्राप्त हुआ। वैश्विक मामलों, और भारत वर्तमान भू-राजनीतिक चुनौतियों से किस प्रकार निपट रहा है, इस पर उनका दृष्टिकोण हमेशा ज्ञानवर्धक होता है।'' उन्होंने कहा, ''मैंने भारत की 'एक्ट ईस्ट' नीति को और मजबूत करने के संबंध में उनके दृष्टिकोण के लिए उन्हें धन्यवाद दिया।''

'मन की बात' में बिहार के स्थानीय उत्पादों का जिक्र राज्य के लिए गौरव की बात : सम्राट चौधरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने रविवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा अपने 'मन की बात' कार्यक्रम में बिहार के स्थानीय उत्पादों का जिक्र करना राज्य के निवासियों के लिए गौरव की बात है।

अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' की 134वीं कड़ी में मोदी ने बिहार के पारंपरिक भोजन सत्तू (भुने हुए चने का आटा) को गर्मी से निपटने का एक महत्वपूर्ण साधन बताया और राज्य के प्रसिद्ध जरदालू आम का भी जिक्र किया।

मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) द्वारा जारी एक बयान के अनुसार चौधरी ने कहा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भीषण गर्मी से राहत पाने के उपाय के रूप में बिहार के पारंपरिक और पौष्टिक पेय सत्तू का जिक्र किया और राज्य के प्रसिद्ध जरदालू आम का भी उल्लेख किया। प्रधानमंत्री द्वारा इन क्षेत्रीय उत्पादों का जिक्र करना राष्ट्रीय मंच पर बिहार की अनूठी पहचान को दर्शाते हैं।'' उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की ये टिप्पणियां बिहार के किसानों, उद्यमियों और आम नागरिकों की मेहनत को स्वीकार करती हैं और राज्य की समृद्ध कृषि और खाद्य परंपराओं को दर्शाती हैं।

चौधरी ने कहा कि बिहार की इन विशिष्टताओं को राष्ट्रीय मंच पर स्थान मिलने से राज्य के स्थानीय उत्पादों को घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अधिक पहचान मिलेगी और किसानों एवं उत्पादकों को प्रोत्साहन मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य अपनी सांस्कृतिक विरासत, कृषि उपज और लोक परंपराओं के माध्यम से देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।

उन्होंने कहा, ''बिहार की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, स्थानीय उत्पादों और जनजीवन से जुड़े मुद्दों का जिक्र करने के लिए मैं प्रधानमंत्री मोदी का आभार व्यक्त करता हूं। राष्ट्रीय मंच पर स्थान मिलने से राज्य के लोगों का उत्साह और गौरव बढ़ा है।''

जनता 2027 के चुनावों में भाजपा की सारी तिकड़म निकाल देगी : अखिलेश यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (एसपी) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने रविवार को भाजपा पर अनैतिक तरीकों से चुनाव जीतने का आरोप लगाया और दावा किया कि लोग भविष्य के चुनावों में पार्टी की राजनीतिक चालों को नाकाम कर देंगे।

यादव ने यह बात भाजपा विधायक श्याम प्रकाश के शनिवार के एक बयान के जवाब में कही।

प्रकाश ने कहा था कि चुनाव केवल विकास के आधार पर नहीं जीते जाते, बल्कि 'तिकड़म' और रणनीति के माध्यम से भी जीते जाते हैं।

भाजपा विधायक के इस बयान का वीडियो 'एक्स' पर साझा करते हुए यादव ने पार्टी पर तंज कसते हुए कहा, भाजपा में जितना अधिक बेईमान व्यक्ति होता है, वह उतना ही ऊंचा पद पाता है। उन्होंने कहा, भाजपा बेईमानी से चुनाव जीतती है, इस बात को स्वीकार करके भाजपा के विधायक ने भ्रष्ट भाजपाई राजनीति का एनकाउंटर कर दिया है, साथ ही उसके ऊपर बुलडोज़र भी चलवा दिया है।

सपा प्रमुख ने यह सवाल भी किया कि देखते हैं कि भाजपा इस विधायक के बयान पर कैसे प्रतिक्रिया देगी। उन्होंने कहा, अब देखना होगा कि क्या इस भाजपा विधायक को पार्टी से निकाला जाएगा या अगले मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया जाएगा।

यादव ने दावा किया कि मतदाता भाजपा को 2027 के चुनावों में खारिज कर देंगे।

यादव ने दावा किया इस बार जनता भाजपा की सारी तिकड़म निकाल देगी। भाजपा हारेगी और फिर कभी नहीं आएगी।

गौरतलब है कि हरदोई जिले के गोपामऊ विधानसभा क्षेत्र से विधायक प्रकाश ने कहा था कि चुनाव विकास से नहीं, तिकड़म से जीते जाते हैं।

टड़ियावां ब्लॉक में प्रधानों के कार्यकाल में छह माह की वृद्धि होने पर शनिवार को आयोजित सम्मान समारोह में प्रधानों को संबोधित करते हुए विधायक ने कहा, ''चुनाव केवल विकास कार्यों के आधार पर नहीं जीते जाते। राजनीतिक तिकड़म और रणनीति भी अहम भूमिका निभाती है।''

प्रकाश ने प्रधानों से आगामी पंचायत चुनाव की तैयारी करने को कहा। उन्होंने कहा, ''साम, दाम, दंड, भेद जो भी तिकड़म कर पाना कर लेना, लेकिन अगला चुनाव जीतना है।''

उत्तर प्रदेश के कुशीनगर में अंतरराष्ट्रीय धोखाधड़ी गिरोह का भंडाफोड़, 10 लोग गिरफ्तार

गोरखपुर (उप्र)/भाषा। कुशीनगर पुलिस ने नेपाली नागरिकों को कथित तौर पर नौकरी, उच्च शिक्षा और नेटवर्क मार्केटिंग के जरिए मोटी कमाई का झांसा देकर अपने जाल में फंसाने वाले एक अंतरराष्ट्रीय ठगी गिरोह का भंडाफोड़ किया है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि कुशीनगर के कसया कस्बे में चलाए गए एक अभियान के दौरान दो महिलाओं समेत गिरोह के 10 सदस्यों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार गिरोह के सदस्य नेपाल के अलग-अलग हिस्सों से आर्थिक रूप से कमजोर और कम पढ़े-लिखे लोगों को रोजगार और शिक्षा के अवसरों का बहाने कुशीनगर आने के लिए लुभाते थे और वहां पहुंचने पर उनसे कथित तौर पर प्रशिक्षण, पंजीकरण और अन्य प्रोसेसिंग शुल्क के नाम पर जबरन धन वसूली करते थे।

जांच के दौरान पुलिस ने गिरोह के चंगुल से 453 नेपाली नागरिकों को बचाया और उन्हें सुरक्षित नेपाल वापस भेजने में मदद की। पुलिस बताया गिरफ्तार आरोपियों के पास से नौ नकली आधार कार्ड, 60 बॉन्ड पेपर, एक लैपटॉप, सोने की अंगूठियां, 60,320 रुपए की भारतीय मुद्रा और 14,290 रुपए की नेपाली मुद्रा बरामद की गई है। पुलिस ने कहा कि यह अभियान कुशीनगर के पुलिस अधीक्षक केशव कुमार के निर्देश पर चलाया गया था जिसके तहत कसया थाने और एसटीएफ गोरखपुर की टीमों ने शनिवार को कई जगहों पर एक साथ छापेमारी की।

प्रगति और विकास के लिए संस्कृति का संरक्षण आवश्यक : सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंफाल/भाषा। मणिपुर के मुख्यमंत्री युमनाम खेमचंद सिंह ने रविवार को कहा कि संस्कृति और परंपराओं का संरक्षण किसी भी समाज को प्रगति और विकास के रास्ते पर ले जाने के लिए आवश्यक है।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार सिंह ने लैनींगथौ सनमही मंदिर बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में शपथ लेने के बाद यह टिप्पणी की। सिंह ने कहा, ''संस्कृति और परंपराओं का संरक्षण किसी भी समाज को प्रगति और विकास के मार्ग पर ले जाने के लिए आवश्यक है।''

मुख्यमंत्री ने लोगों को आश्वासन दिया कि वह स्वयं भी राज्य की संस्कृति और परंपराओं को आगे बढ़ाने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि मंदिर परिसर के उचित रखरखाव की आवश्यकताओं पर बोर्ड की बैठक में चर्चा की जा सकती है। उन्होंने राज्य की शांति और प्रगति के लिए प्रार्थना की।

पश्चिम बंगाल में आज होगा मंत्रिमंडल विस्तार, 35 मंत्री लेंगे शपथ

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने रविवार को घोषणा की कि उनके मंत्रिमंडल के विस्तार के तहत सोमवार को 35 मंत्रियों को शपथ दिलाई जाएगी। अधिकारी ने बताया कि राज्यपाल आर. एन. रवि सुबह 11 बजे लोक भवन में शपथ दिलाएंगे। उन्होंने रविवार शाम को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, ''कल पश्चिम बंगाल की जनता द्वारा चुनी गई राष्ट्रवादी सरकार के पूर्ण मंत्रिपरिषद का गठन होगा।'' उन्होंने कहा, ''मंत्रिमंडल विस्तार के तहत पश्चिम बंगाल सरकार के 35 मंत्री सुबह 11 बजे लोक भवन में शपथ लेंगे। राज्यपाल आर.एन. रवि लोक भवन में उन्हें पद की शपथ दिलाएंगे।''

भाजपा की विधानसभा चुनावों में शानदार जीत के बाद, तृणमूल कांग्रेस के 15 साल के शासन का अंत हुआ और नौ मई को अधिकारी ने मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली।

अधिकारी के साथ उस दिन चार अन्य मंत्रियों ने भी शपथ ली थी। इनमें अग्निमित्रा पॉल, निसिथ प्रमाणिक, अशोक कीर्तनिया और के. टुडु शामिल हैं।

चुनाव हारने पर चुनाव परिणाम पर सवाल उठाये जाने लगते हैं : रवि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

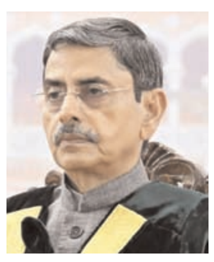

सिलीगुड़ी (प.बंगाल)/भाषा। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल आर एन रवि ने रविवार को कहा कि जब कोई हारता है, तो चुनाव के परिणामों पर सवाल उठाए जाने लगते हैं।

राज्यपाल ने कहा कि हालांकि यह समझा जा सकता है कि बाहरी लोग ऐसे प्रयास करेंगे, लेकिन देश के भीतर भी कुछ संस्थाएं संवैधानिक संस्थानों की विश्वसनीयता पर सवाल उठा रही हैं।

रवि ने यहां एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, ''जब फैसला किसी के पक्ष में नहीं आता, तो वे कहते हैं कि अदालत निष्पक्ष नहीं है।'' राज्यपाल ने किसी व्यक्ति या राजनीतिक दल का नाम लिए बिना कहा, ''चुनाव जीतने पर तो सब ठीक है, लेकिन हारने पर वे दावा करते हैं कि मतों की चोरी हुई है।'' उन्होंने कहा, ''यह भ्रम फैलाने और देश के विश्वास को तोड़ने का प्रयास है।'' राज्यपाल ने दावा किया कि इस तरह के प्रयासों में आंतरिक शत्रु बाहरी शत्रुओं के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ''हमारे आत्मविश्वास को तोड़ने के प्रयास न केवल बाहरी लोगों द्वारा किए जा रहे हैं, बल्कि हमारे अपने लोगों द्वारा भी किए जा रहे हैं।''

पश्चिम बंगाल में हाल में संपन्न हुए विधानसभा चुनाव में भाजपा ने तृणमूल कांग्रेस को हराकर राज्य में पहली बार अपनी सरकार बनाई थी।

राबड़ी को बंगला खाली करने का आदेश: बेटी रोहिणी ने 'प्रतिशोध की कार्रवाई' करार दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद की बेटी रोहिणी आचार्य ने रविवार को बिहार की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार पर प्रतिशोध की राजनीति करने का आरोप लगाया। राजग सरकार ने रोहिणी की मां और पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी को 10, सर्कुलर रोड स्थित वह सरकारी बंगला खाली करने को कहा है, जिसमें वह 2006 से रह रही हैं।

रोहिणी ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि सम्राट चौधरी सरकार ''जनहित के ज्वलंत मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए राजनीतिक प्रतिशोध की राह पर है।'' सिंगापुर में अपने पति के साथ रह रहीं रोहिणी ने 'एक्स' पर लिखा, ''अगर हिम्मत है तो सरकार जबरन बंगला खाली करवाए...।'' पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी द्वारा इस सरकारी बंगले को खाली करने और किसी अन्य मकान में जाने से इनकार करने के बाद शनिवार को विवाद पैदा हो गया। यह बंगला राजग सरकार के एक मंत्री को आवंटित किया गया है।

रोहिणी ने पोस्ट में लिखा, ''पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी जी को आवास से बेदखल करने का तुगलकी फरमान और आवास पर पुलिस भेजना लोकतंत्र नहीं, सत्ता के अहंकार एवं बेजा दबंगई की निशानी है। अफसोसजनक है कि बेरोजगारी, महंगाई, भ्रष्टाचार, बढ़ते अपराध के मोर्चे पर पूरी तरह से नाकाम साबित हो रही सम्राट चौधरी सरकार विपक्षी नेताओं को निशाना बना रही है। यह शासन का कौन सा मॉडल है? बेशक शासन का 'प्रतिशोध मॉडल' है।''

भवन निर्माण विभाग ने 27 मई के एक आदेश के माध्यम से लोक भवन और मुख्यमंत्री आवास के पास स्थित यह बंगला डेरी एवं मत्स्य पालन मंत्री नंद किशोर राम को आवंटित किया है।

यह आदेश जारी किये जाने के समय राबड़ी देवी पटना में नहीं थीं। शनिवार को यहां हवाई अड्डे पर पहुंचने पर जब संवाददाताओं ने उनसे इस बारे में पूछा, तो उन्होंने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा, ''मैं देख रही हूं कि सम्राट चौधरी मुख्यमंत्री बनने के बाद काफी उत्साहित हैं। उनकी सरकार मुझे जबरन निकाल कर दिखाए। मैं बंगला खाली नहीं करूंगी।''

बुलंदशहर में दो लाख रुपए से भरा बैग छीन कर पेड़ पर चढ़ा बंदर

बुलंदशहर (उप्र)/भाषा। बुलंदशहर जिले में हुई एक अजीबो गरीब घटना में कचहरी परिसर में एक बंदर स्टांप खरीदने आए एक व्यक्ति का दो लाख रुपए से भरा बैग झपटकर पेड़ पर चढ़ गया। कुछ ही देर बाद बंदर ने बैग फाड़ दिया और उसमें रखे सारे करेंसी नोट नीचे गिरने लगे, जिसके बाद आसपास मौजूद लोगों ने जमीन पर बिखरे नोट इकट्ठा करके उस व्यक्ति को लौटा दिये। अधिवक्ता सोहनपाल ने रविवार को बताया कि रवीन्द्र नामक व्यक्ति अपने साथी आमिर के साथ शनिवार को स्टांप खरीदने के लिए बैग में दो लाख रुपए लेकर कचहरी आया था। इसी बीच, एक बंदर झपट्टा मारकर रुपए से भरा बैग छीनकर पेड़ की टहनी पर बैठ गया। उन्होंने बताया कि बंदर ने पेड़ पर बैठकर बैग को फाड़ दिया और उसमें रखे नोटों को बाहर फेंकने लगा। अधिवक्ता ने बताया कि आसपास मौजूद लोगों ने नीचे गिरे नोटों को इकट्ठा करके रवीन्द्र को लौटा दिया। इस घटना में रवीन्द्र को कोई वित्तीय नुकसान होने की खबर नहीं है।

असम के सेमीकंडक्टर संयंत्र में इसी वित्त वर्ष के भीतर उत्पादन शुरू होने की संभावना: वैष्णव

नई दिल्ली/भाषा। सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा है कि असम के जगीरोड स्थित सेमीकंडक्टर संयंत्र में इसी वित्त वर्ष के भीतर उत्पादन शुरू होने की उम्मीद है।

वैष्णव ने शनिवार शाम असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा से हुई मुलाकात के बाद यह बात कही। वैष्णव ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट में कहा, ''असम के मुख्यमंत्री से मुलाकात की। उनसे जगीरोड स्थित सेमीकंडक्टर संयंत्र की प्रगति पर चर्चा की गई। हमारा लक्ष्य इस वित्त वर्ष के भीतर इस संयंत्र से उत्पादन शुरू करना है।'' केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सेमीकंडक्टर विनिर्माण प्रौद्योगिकियों में युवा नागरिकों को प्रशिक्षण देने के लिए राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (नाइलिट) भी अच्छी तरह से आकार ले रहा है।

असम के मुख्यमंत्री ने कहा, ''हमने असम में समग्र रेलवे संपर्क और रेल बुनियादी ढांचे के विस्तार पर चर्चा की।'' असम के जगीरोड स्थित टाटा सेमीकंडक्टर असेंबली एंड टेस्ट प्राइवेट लिमिटेड (टीएसएटी) देश के प्रमुख विनिर्माण स्थलों में से एक बनने के लिए तैयार है। यह पहल आत्मनिर्भर सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र स्थापित करने के राष्ट्र के व्यापक लक्ष्य के अनुरूप है। जगीरोड संयंत्र 27,000 करोड़ रुपए के निवेश से निर्मित किया जा रहा है और इसमें प्रतिदिन 4.8 करोड़ से अधिक सेमीकंडक्टर चिप का उत्पादन होने की उम्मीद है।

केंद्र ने कोबरा की दो बटालियन मणिपुर भेजने का आदेश दिया

नई दिल्ली/भाषा। केंद्र ने केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की जंगल युद्धक इकाई कोबरा की दो बटालियन को मणिपुर में अभियानगत कार्यों के लिए तैनात करने का आदेश दिया है। आधिकारिक सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी। मणिपुर में मेइती और कुकी-जो समूहों के बीच जातीय हिंसा में मई 2023 से 260 से अधिक लोग मारे गए हैं और हजारों लोग बेघर हुए हैं।

राज्य प्रशासन और केंद्र सरकार राज्य में स्थायी शांति बहाल करने के प्रयास कर रहे हैं। अधिकारियों ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि गृह मंत्रालय ने सीआरपीएफ की दो कोबरा बटालियन- पश्चिम बंगाल स्थित 207वीं बटालियन और असम स्थित 210वीं बटालियन- की मणिपुर में अभियानगत कार्यों के लिए तैनाती के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। एक वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारी ने कहा, ''कोबरा की ये दोनों बटालियन मणिपुर में हिंसा में शामिल सशस्त्र समूहों के खिलाफ विशेष अभियान चलाएंगी।'' उन्होंने कहा कि चिह्नित इकाइयां अगले कुछ सप्ताह में राज्य में पहुंचेंगी। पूर्वोत्तर के कुछ राज्यों में उग्रवाद के अलावा कई भारतीय राज्यों में व्याप्त वामपंथी उग्रवाद के खतरे से निपटने के लिए सीआरपीएफ ने 2008-09 में 'कमांडो बटालियन फॉर रेसोल्यूट एक्शन' (कोबरा) का गठन किया था।

अभिषेक बनर्जी को भर्ती कराने के लिए ममता ने निजी अस्पताल पर दबाव डाला : भाजपा

कोलकाता/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने रविवार को आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख ममता बनर्जी ने अपने भतीजे और पार्टी नेता अभिषेक बनर्जी को अस्पताल में भर्ती कराने के लिए एक निजी अस्पताल पर दबाव डाला, जबकि चिकित्सकों ने कोई गंभीर चोट नहीं पाई थी। भाजपा की पश्चिम बंगाल इकाई के प्रवक्ता देबजीत सरकार ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में एक ऑडियो क्लिप साझा किया, जिसमें ममता बनर्जी को अभिषेक बनर्जी को भर्ती करने में अस्पताल की अनिच्छा पर कथित तौर पर नाराजगी जताते हुए सुना जा सकता है। हालांकि, 'पीटीआई-भाषा' इस ऑडियो क्लिप या इसमें किए गए दावों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं कर सकी है। देबजीत ने आरोप लगाया कि टीएमसी प्रमुख ने बेले व्यू अस्पताल के सीईओ को धमकाया और अस्पताल प्रशासन पर दबाव बनाया कि चिकित्सकीय रिपोर्ट में कोई गंभीर चोट नहीं पाये जाने के बावजूद डायमंड हार्बर से सांसद अभिषेक बनर्जी को भर्ती किया जाए।

भाजपा समर्थकों ने पुलिस थाने के बाहर मुझ पर हमला किया : तृणमूल नेता कल्याण बनर्जी का दावा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। तृणमूल कांग्रेस के सांसद कल्याण बनर्जी ने दावा किया कि रविवार को पश्चिम बंगाल के हुगली जिले में एक पुलिस थाने के बाहर भीड़ द्वारा हमला किये जाने के कारण उनके सिर पर चोट लगी है। उन्होंने कहा कि वह विधानसभा चुनाव के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी के विरोध में एक ज्ञापन सौंपने के लिए वहां गए थे।

पार्टी प्रमुख ममता बनर्जी इस कथित घटना के बाद श्रीरामपुर से सांसद के आवास पर गईं और भाजपा पर ''लोकतंत्र की हत्या'' करने का आरोप लगाया। कल्याण बनर्जी ने आरोप लगाया कि उन पर हुए हमले के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के समर्थक जिम्मेदार हैं। हालांकि, सत्तारूढ़ पार्टी भाजपा ने इस आरोप का खंडन किया और कहा कि राज्यभर में स्थानीय लोग तृणमूल कांग्रेस नेताओं के खिलाफ अपना गुस्सा जाहिर कर रहे हैं। यह घटना पार्टी नेता अभिषेक बनर्जी पर स्थानीय लोगों द्वारा कथित तौर पर हमला किये जाने के एक दिन बाद हुई। अभिषेक चुनाव के बाद हुई हिंसा के पीड़ितों के परिवारों से मिलने के लिए दक्षिण 24 परगना जिले के सोनारपुर कस्बे गए थे। चंडीतला पुलिस थाने के बाहर तब तनाव व्याप्त हो गया, जब लोगों के एक समूह ने कल्याण बनर्जी को काले झंडे दिखाये और उन्हें तथा तृणमूल कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल के अन्य सदस्यों को ''चोर'' कहा। कल्याण बनर्जी ने आरोप लगाया कि विरोध प्रदर्शन के दौरान उनके सिर पर चोट लगी और वह घायल हो गये। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में इस घटना के लिए भाजपा समर्थकों को दोषी ठहराया। उन्होंने कहा, ''यह सब कुछ पुलिस के सामने हुआ। मेरे सिर पर चोट लगी है और खून बह रहा है।'' लोकसभा सदस्य ने पुलिस की निष्क्रियता का आरोप लगाते हुए धरना दिया। उन्होंने कहा कि तृणमूल कांग्रेस ''भाजपा प्रायोजित हमलों'' के खिलाफ अपना विरोध जारी रखेगी। हिंसा की किसी भी प्रकार की घटना को रोकने के लिए इलाके में भारी संख्या में पुलिस बल और केंद्रीय

टीएमसी नेता अभिषेक बनर्जी ने हमले पर कहा- राज्य प्रायोजित आतंकवाद का शिकार हुआ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले में अभिषेक बनर्जी पर कुछ लोगों द्वारा पथराव और अंडे फेंके जाने के एक दिन बाद रविवार को तृणमूल कांग्रेस नेता ने कहा कि वह ''राज्य प्रायोजित आतंकवाद'' का शिकार हुए हैं। टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी पर शनिवार को उस समय हमला हुआ जब वह सोनारपुर कस्बे में चुनाव के बाद हुई हिंसा के एक कथित पीड़ित के घर गए थे। बाद में उन्होंने दावा किया कि भाजपा कार्यकर्ताओं ने उन्हें जान से मारने की कोशिश की थी। अभिषेक बनर्जी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में आरोप लगाया, ''आज मैं उन लोगों द्वारा फैलाई गई राजनीतिक हिंसा और राज्य प्रायोजित आतंकवाद के शिकार के रूप में खड़ा हूं, जो खुद को राष्ट्रवाद का रक्षक होने का दावा करते हैं।'' टीएमसी नेता ने घटना के बाद ''चिंता और निरंतर समर्थन'' के लिए कांग्रेस नेता राहुल गांधी को धन्यवाद दिया। उन्होंने समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का भी हमले की निंदा करने के लिए आभार जताया। डायमंड हार्बर से सांसद बनर्जी ने कहा, ''हम भारत की आत्मा की रक्षा करने, इसके लोकतांत्रिक संस्थानों का बचाव करने और हमारे संविधान में निहित मूल्यों को कायम रखने के अपने संघर्ष में एकजुट और दृढ़ संकल्पित हैं।''

सुविचार

अगर आप खुद पर विश्वास रखते हैं, तो आपने अपनी आधी जीत पहले ही सुनिश्चित कर ली है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

हमारे पेय उपेक्षित क्यों?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गर्मी से बचाव के लिए 'मन की बात' कार्यक्रम की 134वीं कड़ी में देशवासियों को जो सुझाव दिए हैं, वे अत्यंत महत्त्वपूर्ण हैं। अक्सर लोग समय के साथ कई चीजों को पुरानी समझने लगते हैं। इससे उनका चलन कम हो जाता है, लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि वे लौटकर नहीं आएंगी। हमारे देश में सैकड़ों नहीं, बल्कि हजारों किस्म के ऐसे पेय हैं, जो स्वास्थ्य के लिए लाभदायक हैं। उनके पीछे हमारे पूर्वजों का सदियों पुराना अनुभव है। जब वातावरण में हल्की ठंडक हो, तब क्या पीना चाहिए? जब गर्मी बढ़ जाए, तब क्या पीना चाहिए? जब लू चलने लगें, तब कौनसी चीज कितने अनुपात में मिलाकर पीनी चाहिए, कब पीनी चाहिए? इन सबके पीछे गहरा विज्ञान है। भारत में सर्दी, गर्मी, बरसात ... हर मौसम के लिए पेय निर्धारित हैं। फिर भी नई पीढ़ी ऐसे विदेशी शीतल पेयों की दीवानी है, जो उसकी सेहत चौपट करते हैं। उनकी निर्माण विधि के पीछे हानिकारक रसायनों का घालमेल है, ऋतुओं का कोई विज्ञान नहीं है। राजस्थान में जब गर्मी बढ़ने लगती है, तब गांवों में लोग मिट्टी के बर्तन में बाजरे के आटे की राबड़ी बनाते हैं। उसे छाछ के साथ मिलाकर पीते हैं। यह मिश्रण लू से बचाता है। जिसे अनिद्रा की समस्या हो, वह एक बार राबड़ी पीकर देखे। बाजरा बहुत पौष्टिक होता है। जैसे ही बारिश की हवा दस्तक देती है, राबड़ी का स्वाद बदल जाता है। इस पेय का वैसा प्रचार क्यों नहीं होता, जैसा विदेशी शीतल पेयों का होता है? बड़े-बड़े फिल्मी सितारे, खिलाड़ी, सेलिब्रिटी गर्दन ऊंची कर उन पेयों की बोतलें गटकने में बड़प्पन महसूस करते हैं। कई लोग उनकी नकल करते हुए मन में यह भ्रम पाल लेते हैं कि इससे हम भी महान और आधुनिक हो जाएंगे! इस सोच की वजह से, हमारे पेय सस्ते, सुलभ और स्वास्थ्यवर्द्धक होने के बावजूद उपेक्षित हैं।

भारत में सुबह खाली पेट चाय पीने के चलन से पाचन संबंधी समस्याएं बढ़ती जा रही हैं। कई लोग गर्मियों में सुबह 10 बजे से पहले दो कप या इससे ज्यादा चाय पी लेते हैं। इससे पेट में अम्लता बढ़ती है। देर तक खाली पेट रहने, कम पानी पीने से शरीर में ऐसी समस्याएं पैदा होने लगती हैं, जो बाद में महंगी पड़ती हैं। तब अस्पतालों के चक्कर लगाने पड़ते हैं। हजारों रुपए की दवाइयां खानी पड़ती हैं। अगर सुबह चाय की मात्रा बहुत कम कर दी जाए और एक गिलास सत्तू पीने की आदत डाली जाए तो दिनभर ऊर्जा महसूस होती है। चना और जौ को पीसकर उसमें पानी, नमक (ऋतु के अनुसार सामग्री में परिवर्तन संभव है) आदि डालने से यह ऊर्जावर्द्धक पेय बन जाता है। इसे बनाने के लिए एक भी चीज विदेश से आयात नहीं करनी पड़ती है, यानी पूर्णत: भारतीय और हमारी अर्थव्यवस्था के लिए लाभदायक पेय! सुबह चाय पर चाय पीने से बेहतर है- सत्तू पीना। आश्चर्य की बात है कि इसे सिर्फ कुछ राज्यों का पेय माना जाता है। पश्चिमी जीवन शैली से प्रभावित लोग इसे मजदूरों और कम पढ़े-लिखे लोगों का पेय भी कह देते हैं। यह बिल्कुल ही गलत सोच है। मजदूर होना कोई शर्म की बात नहीं है। अगर कोई मजदूर सत्तू पीकर दिनभर कड़ी मेहनत करता है तो वह इस देश के विकास में योगदान देता है। महानगर का उच्च शिक्षित व्यक्ति हो या गांव का मजदूर हो, सबकी शरीर रचना तो एक जैसी ही है। प्रकृति ने पाचन तंत्र, तंत्रिका तंत्र, रक्त परिसंचरण तंत्र ... एक जैसे ही बनाए हैं। हानिकारक चीजें सबको हानि पहुंचाएंगी, चाहे उनका सेवन करने वाला कितना ही आधुनिक हो। इसी तरह लाभदायक चीजें सबके लिए लाभदायक होंगी। हमें छाछ, राबड़ी, सत्तू, लस्सी, पेड़ा लस्सी, गुलाब लस्सी, आम पना, बील का शर्बत, गुलाब का शर्बत, नींबू पानी आदि का अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रचार करना चाहिए, जिस तरह हाल में प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी इटली की समकक्ष जॉर्जिया मेलोनी को टॉफी का एक पैकेट उपहार में दिया था। अब सोशल मीडिया का ज़माना है। देसी पेय के प्रचार के लिए इससे सुनहरा मौका कोई और नहीं हो सकता है।

ट्वीटर टॉक

लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर न्याय के प्रति प्रेम और इंसानी संवेदनाओं की जीती-जागती मिसाल थीं। अपने राज में उन्होंने दिखाया कि सत्ता का सबसे बड़ा मकसद लोगों की भलाई, न्याय और यह पक्का करना होना चाहिए कि विकास का फ़ायदा समाज के आखिरी आदमी तक भी पहुंचे।

-ओम बिरला

न्याय, सुशासन, जनकल्याण और महिला सशक्तिकरण की बेमिसाल प्रतीक, पुण्यात्मा राजमाता अहिल्याबाई होल्कर जी की जयंती पर कोटि-कोटि नमन। अपने दूरदर्शी नेतृत्व के ज़रिए आपने भारतीय इतिहास में एक सुनहरा अध्याय लिखा।

-वसुंधरा राजे

जोधपुर में चोपासनी चारणान में स्वाध्याय और फ्री रेजिडेंशियल कोचिंग सेंटर का उद्घाटन हुआ। यह स्वर्गीय हरि सिंह रत्नू द्वारा अपने पिता स्वर्गीय श्री चंदीदान जी रत्नू की याद में दान की गई ज़मीन पर बनाया गया है।

-गजेन्द्रसिंह शेखावत

प्रेरक प्रसंग

श्रीराम का प्रेम

रावण की अशोक वाटिका से लौटकर हनुमान, सीता जी द्वारा दी गई चूड़ामणि श्रीराम को सौंपते हैं। जैसे ही हनुमान उसे सौंपते हैं, राम का हृदय पिघलने लगता है। इस हद तक कि वे शुरू में कुछ क्षणों के लिए चूड़ामणि को देख ही नहीं पाते। उन्हें अपनी प्रिय सीता के साथ अपने विवाह के दिन और इस चूड़ामणि के इतिहास की याद आती है। गदगद और भावुक श्रीराम हनुमान को उनके द्वारा माता सीता और उनके प्रति की गई नि:स्वार्थ सेवा के बदले कुछ उपहार देना चाहते हैं, लेकिन उन्हें पूरे ब्रह्माण्ड में ऐसा कोई उपहार नहीं मिलता। इसी समय राम हनुमान को गले लगाते हैं और कहते हैं, 'हे हनुमान! आपने मेरे प्रति जो नि:स्वार्थ सेवा की है, उसके लिए मैं अपना सर्वस्व, अर्थात यह आलिंगन, ही दे देता हूं।' जैसे ही हनुमान को श्रीराम ने आलिंगन में लिया, उनके भीतर ऊर्जा के अनगिनत झरने बहने लगे। उन्हें लगा कि मानो वह स्वयं राम हो गए हों।

सामयिक

अंतर्राष्ट्रीय बाल रक्षा दिवस हमें यह संदेश देता है कि बच्चों की सुरक्षा केवल एक दिन का विषय नहीं बल्कि निरंतर चलने वाला प्रयास है। यह दिवस हमें आत्मचिंतन करने और अपने दायित्वों को समझने की प्रेरणा देता है। प्रत्येक बच्चे में अपार संभावनाएँ छिपी होती हैं और उन संभावनाओं को विकसित करने के लिए प्रेम, शिक्षा और सुरक्षा आवश्यक है। जब समाज बच्चों के अधिकारों का सम्मान करना सीख जाएगा तब वास्तविक प्रगति संभव होगी।

बाल संरक्षण की आवश्यकता और वैश्विक प्रयास

महेन्द्र तिवारी
मोबाइल : 9989703240

अंतर्राष्ट्रीय बाल रक्षा दिवस प्रत्येक वर्ष 1 जून को विश्वभर में मनाया जाता है। यह दिवस बच्चों की सुरक्षा, अधिकारों, शिक्षा, स्वास्थ्य और सम्मानजनक जीवन के प्रति समाज को जागरूक करने के उद्देश्य से समर्पित है। किसी भी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति उसके बच्चे होते हैं क्योंकि वही भविष्य के नागरिक, वैज्ञानिक, शिक्षक, कलाकार और नीति निर्माता बनते हैं। यदि बच्चों को सुरक्षित, शिक्षित और स्वस्थ वातावरण प्राप्त हो तो राष्ट्र का भविष्य उज्ज्वल बनता है, लेकिन यदि वे शोषण, हिंसा, गरीबी और उपेक्षा का सामना करते हैं तो समाज का विकास भी प्रभावित होता है। इसी कारण बाल सुरक्षा केवल सामाजिक विषय नहीं बल्कि मानवीय और नैतिक दायित्व भी है। अंतर्राष्ट्रीय बाल रक्षा दिवस का इतिहास 20वीं शताब्दी के प्रारंभिक दशकों से जुड़ा हुआ है। 1925 में स्विट्जरलैंड के जिनेवा में बच्चों के कल्याण पर एक महत्वपूर्ण सम्मेलन आयोजित किया गया था जिसमें बच्चों की सुरक्षा और अधिकारों पर विशेष चर्चा हुई। बाद में 1949 में मास्को में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय महिला लोकतांत्रिक संघ की बैठक में यह निर्णय लिया गया कि बच्चों के संरक्षण और अधिकारों के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए एक विशेष दिवस मनाया जाना चाहिए। इसके बाद 1 जून 1950 को पहली बार अंतर्राष्ट्रीय बाल रक्षा दिवस मनाया गया। उस समय द्वितीय विश्वयुद्ध के कारण लाखों बच्चे अनाथ, विस्थापित और निर्धन हो चुके थे। युद्ध ने बच्चों के जीवन पर गहरा प्रभाव डाला था और उनकी सुरक्षा के लिए वैश्विक प्रयासों की आवश्यकता महसूस की जा रही थी। यही कारण था कि इस दिवस को मानवीय संवेदना और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग का प्रतीक माना गया।

समय के साथ इस दिवस का महत्व लगातार बढ़ता गया। संयुक्त राष्ट्र ने भी बच्चों के अधिकारों को वैश्विक स्तर पर महत्व दिया। 1954 में विश्व बाल दिवस की स्थापना की गई और 20 नवंबर 1959 को बाल अधिकारों की घोषणा स्वीकार की गई। इसके बाद 1989 में बाल अधिकारों पर सम्मेलन को संयुक्त राष्ट्र महासभा ने अपनाया। इस सम्मेलन में बच्चों के शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, अभिव्यक्ति और विकास के अधिकारों को स्पष्ट रूप से मान्यता दी गई। आज विश्व के अधिकांश देश बाल अधिकारों को कानूनी संरक्षण प्रदान करते हैं, फिर भी अनेक क्षेत्रों में बच्चों की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। बाल संरक्षण का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष शिक्षा है। शिक्षा केवल ज्ञान प्राप्त करने का माध्यम नहीं बल्कि आत्मविश्वास, विवेक और व्यक्तित्व निर्माण का आधार है। एक शिक्षित बच्चा अपने अधिकारों को समझता है और समाज में सकारात्मक भूमिका निभाने में सक्षम बनता है। फिर भी आज विश्व में करोड़ों बच्चे विद्यालय से दूर हैं।

गरीबी, युद्ध, सामाजिक असमानता और बाल श्रम इसके प्रमुख कारण हैं। अनेक बच्चे आर्थिक मजबूरी के कारण छोटी आयु में काम करने लगते हैं जिससे उनका बचपन छिन जाता है। बाल श्रम बच्चों के मानसिक और शारीरिक विकास को प्रभावित करता है तथा उन्हें शोषण के चक्र में फँसा देता है। इसलिए सरकारों और सामाजिक संगठनों का यह दायित्व है कि वे प्रत्येक बच्चे तक शिक्षा पहुँचाएँ और बाल श्रम को समाप्त करने के लिए कठोर कदम उठाएँ।

बाल विवाह भी बाल अधिकारों के लिए एक गंभीर चुनौती है। अनेक समाजों में आज भी कम आयु में बच्चों विशेषकर बालिकाओं का विवाह कर दिया जाता है। इससे उनकी शिक्षा बाधित होती है और स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। कम आयु में मातृत्व अनेक स्वास्थ्य समस्याओं को जन्म देता है। साथ ही बाल विवाह लड़कियों की स्वतंत्रता और आत्मनिर्भरता को भी सीमित कर देता है। इस समस्या के समाधान के लिए कानूनी प्रतिबंधों के साथ सामाजिक जागरूकता भी आवश्यक है। जब तक समाज अपनी सोच में परिवर्तन नहीं लाएगा तब तक केवल कानून पर्याप्त सिद्ध नहीं होंगे। वर्तमान समय में बच्चों के सामने नई चुनौतियाँ भी उभर रही हैं। तकनीकी विकास ने जहाँ ज्ञान और संचार के नए अवसर दिए हैं वहीं अनेक जोखिम भी उत्पन्न किए हैं। इंटरनेट और सामाजिक माध्यमों के माध्यम से बच्चों का आभासी शोषण, साइबर धमकी और अनुपयुक्त सामग्री तक पहुँच बढ़ी है। अनेक बच्चे मानसिक तनाव और अकेलेपन का अनुभव कर रहे हैं। इसलिए अभिभावकों और शिक्षकों की भूमिका पहले से अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। बच्चों के साथ संवाद बनाए रखना, उनकी भावनाओं को समझना और सुरक्षित डिजिटल वातावरण प्रदान करना आज की आवश्यकता है। केवल तकनीकी नियंत्रण पर्याप्त नहीं है बल्कि बच्चों को सही और गलत के बीच अंतर समझाने की भी आवश्यकता है।

समाज में बाल सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक व्यक्ति की भूमिका महत्वपूर्ण है। शिक्षक बच्चों को सही दिशा दे सकते हैं, अभिभावक उन्हें प्रेम और सुरक्षा प्रदान कर सकते हैं तथा सामाजिक संगठन जागरूकता फैलाकर सहायता पहुँचा सकते हैं। विद्यालयों में बाल अधिकारों पर चर्चा, सांस्कृतिक कार्यक्रम, निबंध प्रतियोगिताएँ और जागरूकता अभियान आयोजित किए जाते हैं ताकि बच्चे अपने अधिकारों को समझ सकें। मीडिया भी बाल सुरक्षा के प्रति जागरूकता फैलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। यदि समाज का प्रत्येक वर्ग इस दिशा में सक्रिय हो जाए तो बच्चों के जीवन में बड़ा परिवर्तन संभव है। आज आवश्यकता इस बात की है कि बाल संरक्षण को केवल सरकारी योजना न माना जाए बल्कि सामाजिक आंदोलन का रूप दिया जाए। प्रत्येक बच्चे को भोजन, शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा का अधिकार मिलना चाहिए। किसी भी बच्चे को हिंसा, शोषण और उपेक्षा का सामना न करना पड़े, यह सुनिश्चित करना पूरे समाज का दायित्व है। बच्चों के सपनों की रक्षा करना ही भविष्य की रक्षा करना है। यदि हम आज बच्चों को सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन देंगे तो आने वाला समाज अधिक शांतिपूर्ण, न्यायपूर्ण और मानवीय होगा।

अंतर्राष्ट्रीय बाल रक्षा दिवस हमें यह संदेश देता है कि बच्चों की सुरक्षा केवल एक दिन का विषय नहीं बल्कि निरंतर चलने वाला प्रयास है। यह दिवस हमें आत्मचिंतन करने और अपने दायित्वों को समझने की प्रेरणा देता है। प्रत्येक बच्चे में अपार संभावनाएँ छिपी होती हैं और उन संभावनाओं को विकसित करने के लिए प्रेम, शिक्षा और सुरक्षा आवश्यक है। जब समाज बच्चों के अधिकारों का सम्मान करना सीख जाएगा तब वास्तविक प्रगति संभव होगी। यही इस दिवस की सबसे बड़ी सार्थकता है और यही वह संदेश है जिसे पूरी मानवता को अपनाना चाहिए।

नजरिया

'लोकमाता' देवी अहिल्याबाई होल्कर

हर्षवर्धन पान्डे

रानी ने देशभक्ति का परिचय देते हुए उन्हें अंग्रेजों के षड्यन्त्र से भी सावधान किया था। अतः उसका मस्तक रानी के प्रति श्रद्धा से झुक गया और वह बिना युद्ध किये ही पीछे हट गया। रानी के जीवन का लक्ष्य राज्यभोग नहीं था। वे प्रजा को अपनी सन्तान समझती थी। वे घोड़े पर सवार होकर स्वयं जनता से मिलती थी। उन्होंने जीवन का प्रत्येक क्षण राज्य और धर्म के उत्थान में लगाया। एक बार गलती करने पर उन्होंने अपने एकमात्र पुत्र को भी हाथी के पैरों से कुचलने का आदेश दे दिया था पर फिर जनता के अनुरोध पर उसे कोड़े मार कर ही छोड़ दिया।

भारत अपनी गौरवशाली संस्कृति, इतिहास और परंपराओं के लिए दुनिया में जाना जाता है। यहाँ अनेक ऐसे योद्धा, शासक, शासिकाओं और वीरांगनाओं ने जन्म लिया है जिनका नाम लोककल्याण जैसे अनेक कार्यों में आज भी गर्व के साथ लिया जाता है। इनमें से अहिल्याबाई होल्कर का नाम विशेष रूप से उल्लेखनीय है। देश में जब भी किसी महिला का जीवन आदर्श, वीरता, त्याग, राष्ट्रभक्ति के लिए सदा याद किया जाता है, उनमें रानी अहिल्याबाई होल्कर अग्रणी हैं। वे 18वीं शताब्दी की एक ऐसी प्रेरणादायक महिला थी जिनका पूरा जीवन आज समाज के लिए बड़ी प्रेरणा का स्रोत है। होल्कर राजवंश का इतिहास जितना समृद्ध रहा है, उतनी ही अहिल्याबाई होल्कर की विरासत लोककल्याण के कार्यों के लिए जानी जाती है।

कुशल प्रशासन एवं कर्तव्यपरायणता जैसे अपने अनेक मानवीय गुणों के कारण अहिल्याबाई होल्कर के द्वारा कराये गए अनेक कार्य देश में आज भी बड़े गर्व और आदर के साथ याद किये जाते हैं। उन्होंने अपने जीवनकाल में कभी कहीं कोई समझौता नहीं किया। पूरी कर्तव्यनिष्ठा व अनुशासन के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए लोककल्याण एवं सामाजिक सरोकारों के प्रति संकल्पबद्ध होकर हर पल का सदुपयोग ही किया शायद यही वजह थी कि समाज के बीच उनकी एक अलग ही विशिष्ट पहचान और प्रतिष्ठा थी। भारतीय संस्कृति एवं लोककल्याण के कार्यों के प्रति उन उनका सम्मान का भाव उनके द्वारा किए गए अनेकानेक कार्यों में देखा जा सकता था। हमारी संस्कृति के संरक्षण, संवर्धन हेतु जन-जन को प्रेरित व प्रोत्साहित करना उनका स्वाभाविक गुण था। सचमुच उनका जीवन आज समाज के लिए प्रेरणा व प्रोत्साहन का अविरल स्रोत है। ऐसी महान धर्म प्रेमी, संस्कृति प्रेमी व मानवता प्रेमी कर्मयोगी शासिका के जीवन से आज हर किसी को प्रेरणा लेने की जरूरत है। अहिल्याबाई होलकर का जन्म 31 मई, 1725 को अहमदनगर, महाराष्ट्र के गाँव छौंदी में एक साधारण किसान परिवार में हुआ था। एक साधारण से किसान परिवार में जन्मी अहिल्याबाई होलकर छोटी उम्र से ही अपनी संस्कृति पर गर्व करती थी, साथ ही प्रजा में रह रहे आमजनों की पीड़ा की अनुभूति भी करती थी। इनके पिता मनकोजी राव शिन्दे शिवभक्त थे। पिता के संस्कार बालिका अहिल्या पर भी पड़े। उनके पिता मानकोजी शिंदे खुद धनगर समाज से थे, जो गांव के पाटिल की भूमिका निभाते थे। अहिल्याबाई का जीवन भी बहुत साधारण तरीके से गुजर रहा था लेकिन एकाएक किस्मत ने पलटी खाई और वह 18वीं सदी में मालवा प्रांत की रानी बन गई। अहिल्याबाई होल्कर ने मालवा प्रांत की महारानी बनकर राजमाता के रूप में बड़ी लकीर खींची।

युवा अहिल्यादेवी का चरित्र और सरलता ने मल्हार राव होल्कर को भी प्रभावित किया। वे पेशवा बाजीराव की सेना में एक कमांडर के तौर पर काम करते थे। उन्हें अहिल्या इतनी अच्छी लगी कि उन्होंने उनकी शादी अपने बेटे खांडे राव से करवा दी। इस तरह अहिल्या बाई एक दुल्हन के तौर पर मराठा समुदाय के होल्कर राजघराने में पहुंची। उनके पति की मौत 1754 में कुंभेर की लड़ाई में हो गई थी। ऐसे में अहिल्यादेवी पर जिम्मेदारी आ गई। उन्होंने अपने ससुर के कहने पर न केवल सैन्य मामलों में बल्कि प्रशासनिक मामलों में भी रुचि दिखाई और प्रभावी तरीके से उन्हें अंजाम दिया। शादी के बाद उनका एक पुत्र और एक पुत्री हुई। वहीं कुछ सालों बाद ही अहिल्याबाई के पति का देहांत हो गया। इसके कुछ समय बाद ही 1766 में उनके ससुर मल्हारराव होल्कर की भी मृत्यु हो गई। जिसके बाद उन्होंने सत्ता को संभालने का भार अपने ऊपर ले लिया। शासन संभालने के कुछ दिनों बाद ही साल 1767 में उनके जवान पुत्र मालेराव की भी मृत्यु हो गई। पति, पुत्र , पुत्री , पुत्रवधू और पिता समान ससुर को खोने के बाद भी उन्होंने जिस तरह साहस और धैर्य से अपने कर्तव्यों का निर्वहन किया, वो सराहनीय है। इस संकटकाल में एक तपस्विनी की तरह से श्वेत वस्त्र धारण कर राजकाज चलाया और परिवार पर भीषण वज्रघात के बाद भी रानी अविचलित रहते हुए अपने कर्तव्यपथ पर हमेशा डटी रही।

अहिल्याबाई एक विनम्र एवं उदार वीरांगना थी जिनके अंदर गरीबों और असहाय व्यक्ति के लिए दया और परोपकार की भावना भरी हुई थी। उन्होंने अपना पूरा जीवन समाज सेवा के लिए समर्पित कर दिया था। मल्हारराव के निधन के बाद उन्होंने पेशवाओं की गद्दी से आग्रह किया कि उन्हें क्षेत्र की प्रशासनिक बागडोर सौंपी जाए। मंजूरी मिलने के बाद 1766 में रानी अहिल्यादेवी मालवा की शासक बन गईं। उन्होंने तुकोजी होल्कर को सैन्य कमांडर बनाया। उन्हें उनकी राजसी सेना का पूरा सहयोग मिला। अहिल्याबाई ने कई युद्ध का कुशल नेतृत्व भी किया। वे एक साहसी योद्धा के साथ ही एक कुशल तीरंदाज भी थी जो हाथी की पीठ पर चढ़कर लड़ती थी। हमेशा आक्रमण करने को तत्पर भील और गोंड्स से उन्होंने कई बरसों तक अपने राज्य को सुरक्षित भी रखा। पड़ोसी राजा पेशवा राघोबा ने इन्दौर के दीवान गंगाधर यशवन्त चन्द्रचूड़ से मिलकर अचानक हमला बोल दिया। रानी ने धैर्य न खोते हुए पेशवा को एक मार्मिक पत्र लिखा।

रानी ने लिखा कि यदि युद्ध में आप जीतते हैं, तो एक विधवा को जीतकर आपकी कीर्ति नहीं बढ़ेगी और यदि हार गये, तो आपके मुख पर सदा को कालिख पुत जाएगी। मैं मृत्यु या युद्ध से नहीं डरती। मुझे राज्य का लोभ नहीं है, फिर भी मैं अन्तिम क्षण तक युद्ध करूंगी। इस पत्र को पाकर पेशवा राघोबा चकित रह गया। इसमें जहां एक ओर रानी अहल्याबाई ने उस पर कूटनीतिक चोट की थी, वहीं दूसरी ओर अपनी कठोर संकल्पशक्ति का परिचय भी दिया था। रानी ने देशभक्ति का परिचय देते हुए उन्हें अंग्रेजों के षड्यन्त्र से भी सावधान किया था। अतः उसका मस्तक रानी के प्रति श्रद्धा से झुक गया और वह बिना युद्ध किये ही पीछे हट गया। रानी के जीवन का लक्ष्य राज्यभोग नहीं था। वे प्रजा को अपनी सन्तान समझती थी। वे घोड़े पर सवार होकर स्वयं जनता से मिलती थी। उन्होंने जीवन का प्रत्येक क्षण राज्य और धर्म के उत्थान में लगाया। एक बार गलती करने पर उन्होंने अपने एकमात्र पुत्र को भी हाथी के पैरों से कुचलने का आदेश दे दिया था पर फिर जनता के अनुरोध पर उसे कोड़े मार कर ही छोड़ दिया।

अहिल्याबाई हर दिन वह अपनी प्रजा से बात करती थी। उनकी समस्याएं सुनती थी। 1767-1795 के कालखंड में रानी अहिल्याबाई ने ऐसे कई काम किए कि लोग आज भी उनका नाम बड़े गर्व के साथ लेते हैं। वो एक ऐसी रानी थी जिन्होंने सत्ता का लोभ नहीं बल्कि समृद्धि को चुना। वो एक ऐसी महिला थीं जो 1700 की सदी में भी पढ़-लिखकर आत्मनिर्भरता का पाठ पढ़ाती थी। अपने साम्राज्य को उन्होंने समृद्ध बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी । उन्होंने राजकोष का धन बड़े पैमाने पर कई किले, विश्राम गृह, कुएं और सड़कें बनवाने पर खर्च किया। वह लोगों क बीच जाना पसंद करती थी और मंदिरों को दान भी देती थी। एक महिला होने के नाते उन्होंने विधवा महिलाओं को अपने पति की संपत्ति को हासिल करने और बेटे को गोद लेने में भी मदद की। इंदौर को एक छोटे-से गांव से समृद्ध और सजीव शहर बनाने में उनकी भूमिका को नहीं नकारा जा सकता। उन्होंने हिमालय से लेकर दक्षिण भारत के कोने-कोने तक मंदिरों के निर्माण में बड़ा धन खर्च किया साथ ही काशी, गया, सोमनाथ, अयोध्या, मथुरा, हरिद्वार, द्वारका, बद्रीनारायण, रामेश्वर और जगन्नाथ पुरी के ख्यात मंदिरों में उन्होंने अनेक काम करवाए जो आज भी बड़ी शान के साथ याद किये जाते हैं । धर्मपरायण होने के कारण रानी ने अपने राज्य के साथ-साथ देश के अन्य तीर्थों में भी मंदिर, कुएं, बावड़ी, धर्मशालाएं आदि बनवाई। एक तरफ काशी का वर्तमान काशी विश्वनाथ मंदिर 1780 में उन्होंने ही बनवाया वहीं त्र्यंबकेश्वर ज्योतिर्लिंग में तीर्थयात्रियों के लिए विश्रामगृह बनवाया। अयोध्या और नासिक में भगवान राम के मंदिर का निर्माण हो या उज्ञयिनी में चिंतामणि गणपति मंदिर का निर्माण यह सब अहिल्याबाई के कार्यों की आज भी जीती जागती मिसाल हैं। सोमनाथ के प्रसिद्ध मंदिर का पुनर्निर्माण भी उन्हीं की बड़ी देन है जिसे 1024 में गजनी ने आक्रमण कर लूट लिया था। 13 अगस्त, 1795 ई. को 70 वर्ष की आयु में उनका देहान्त हुआ। उनका जीवन धैर्य, साहस, सेवा, त्याग और कर्तव्यपालन का प्रेरक उदाहरण है। उनके राज्य में कला, संस्कृति, शिक्षा, व्यापार, कृषि आदि सभी क्षेत्रों का भरपूर विकास हुआ।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंडर एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

नेपाल के प्रधानमंत्री की भारतीय भूमि पर 'अतिक्रमण' संबंधी टिप्पणी से विवाद

काठमांडू/भाषा

नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह ने रविवार को कहा कि उन्हें अपने देश द्वारा भारत के कुछ क्षेत्रों पर अतिक्रमण करने के बारे में पता चला है। उन्होंने यह टिप्पणी लंबे समय से चले आ रहे सीमा विवाद पर संसद में सवालों के जवाब देने के दौरान की। शाह ने यह भी कहा कि दोनों देश इस समस्या के समाधान के लिए इतिहासकारों, सर्वेक्षकों और विशेषज्ञों की मदद लेने पर सहमत हुए हैं। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि नेपाल ने इस मुद्दे पर चीन और ब्रिटेन के साथ राजनयिक चर्चा भी की है।

नेपाल और भारत के बीच कालापानी, लिपुलेख और लिम्पियाधुरा को लेकर पुराना सीमा विवाद है, जिसपर दोनों देश अपना-अपना दावा करते हैं। भारत का कहना है कि ये क्षेत्र उत्तराखंड का हिस्सा हैं और इसने कहा है कि इस मुद्दे को द्विपक्षीय बातचीत के माध्यम से हल किया जाना चाहिए। शाह ने संसद को बताया, नेपाल सरकार ने भारत को आधिकारिक तौर पर एक राजनयिक नोट भेजा है, जिसमें भारत द्वारा लिपुलेख सहित विभिन्न क्षेत्रों पर अतिक्रमण के मुद्दे का उल्लेख किया गया है, और हमें उनका जवाब पहले ही मिल चुका है। दोनों देशों ने इतिहासकारों, सर्वेक्षकों और संबंधित विशेषज्ञों की मदद से राजनयिक माध्यमों से एक साथ बैठकर इस मुद्दे को हल करने पर सहमति जताई है। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि केवल भारत ही नहीं, बल्कि नेपाल ने भी भारत के साथ ऐसा ही किया है।

शाह ने कहा, आपको एक तथ्य जानकर आश्चर्य होगा, जो मुझे प्रधानमंत्री बनने के बाद ही पता चला है। भारत ने न केवल नेपाली क्षेत्रों पर अतिक्रमण किया है, बल्कि नेपाल ने भी कई स्थानों पर भारत के क्षेत्रों पर अतिक्रमण किया है। अब दोनों देशों को तथ्यों का अध्ययन करना चाहिए और मित्रवत एक साथ बैठकर इस मुद्दे का हल करना चाहिए। नेपाली प्रधानमंत्री ने कहा कि काठमांडू ने इस मुद्दे पर चीन और ब्रिटेन के साथ राजनयिक चर्चा भी की- ये तीनों स्थान भारत, तिब्बत और नेपाल के त्रिकोणीय बिंदु के पास स्थित हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्होंने ब्रिटेन के साथ यह मामला इसलिए उठाया, क्योंकि यह उस दौर से जुड़ा है जब ब्रिटिश सरकार ने इस क्षेत्र को छोड़ दिया था।

नेपाल द्वारा भारतीय क्षेत्रों पर अतिक्रमण करने के संबंध में शाह की टिप्पणियों से विवाद खड़ा हो गया है। कई नेपाली सोशल मीडिया उपयोगकर्ता इसकी आलोचना कर रहे हैं, जबकि विशेषज्ञों ने इसे खारिज कर दिया है।भारत में नेपाल के पूर्व राजदूत नीलंबरा आचार्य ने कांतिपुरऑनलाइन मीडिया पोर्टल को बताया कि शाह के पास नेपाल द्वारा भारतीय क्षेत्रों पर अतिक्रमण किए जाने के संबंध में कोई जानकारी नहीं है।

मुंबई में रविवार को अपनी आगामी फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' के प्रचार कार्यक्रम के दौरान अभिनेत्री मृणाल ठाकुर।

अमेरिका के कानूनी मामले पीछे छूटे, अब एआई आधारित ढांचे पर बड़ा दांव लगाने की तैयारी : गौतम अदाणी

नई दिल्ली/भाषा। अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी ने कहा है कि समूह ने अमेरिका में चल रही कानूनी चुनौतियों को पीछे छोड़ दिया है और अब वह ऊर्जा, परिवहन, लॉजिस्टिक तथा डिजिटल अवसंरचना क्षेत्रों में निवेश की रफ्तार बढ़ा रहा है। उनका कहना है कि कृत्रिम मेधा (एआई) आधारित विकास से पैदा होने वाली मांग समूह के लिए नए अवसर लेकर आएगी। शेयरधारकों को लिखे अपने सालाना पत्र में अदाणी ने कहा कि पिछले वर्ष बढ़ी जांच-पड़ताल और चुनौतियों के बावजूद समूह विस्तार की अपनी रणनीति पर कायम रहा। उन्होंने कहा कि अमेरिकी कानूनी मामलों से जुड़े मामले अब पीछे छूट चुके हैं और समूह नए आत्मविश्वास के साथ विकास के अगले चरण पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। अदाणी ने समूह की प्रमुख कंपनी अदाणी एंटरप्राइजेज के 24,930 करोड़ रुपए के राइट्स इश्यू को निवेशकों के भरोसे का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि यह ऐसे समय में सफल रहा जब समूह को कॉरपोरेट प्रशासन और नियामकीय मुद्दों को लेकर सवालों का सामना करना पड़ रहा था।

राज्यों में प्रमुख पर्यटन स्थलों पर गंतव्य प्रबंधन संगठन बनाए जाएंगे : शेखावत

नई दिल्ली/भाषा। केंद्र सरकार ने विभिन्न शहरों में पर्यटन स्थलों के आसपास समग्र वातावरण सुनिश्चित करने के लिए देशभर में गंतव्य प्रबंधन प्राधिकरणों की स्थापना की परिकल्पना की है। केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने यह जानकारी दी।

शेखावत ने बुधवार को 'पीटीआई वीडियो' के साथ साक्षात्कार में बताया कि शुरुआत में देशभर में 100 गंतव्य प्रबंधन प्राधिकरण स्थापित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि इन प्राधिकरणों का कामकाज राज्यस्तरीय अधिकारी संभालेंगे। शेखावत ने कहा कि इस कदम का मकसद न केवल किसी गंतव्य से जुड़े सभी हितधारकों के मन में विरासत और अन्य पर्यटन स्थलों के प्रति स्वामित्व की भावना पैदा करना है, बल्कि स्थानीय समुदाय के बीच 'जन आंदोलन' और 'जन भागीदारी' की सोच को भी बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि भारत में केंद्र की ओर से संरक्षित स्मारकों (वर्तमान में देशभर में 3,686) से इतर ऐतिहासिक सांस्कृतिक स्थल अपनी अपार पर्यटन क्षमता के बावजूद अतिक्रमण, भीड़भाड़ और/या आसपास के क्षेत्रों में नागरिक सुविधाओं की कमी के कारण अक्सर बड़ी संख्या में पर्यटकों को आकर्षित करने में नाकाम रहते हैं।

शेखावत ने कहा कि केंद्र की ओर से संरक्षित स्मारकों के रखरखाव का जिम्मा भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) संभालता है। उन्होंने बताया कि ऐसे स्मारकों के चारों ओर 100 मीटर का निषिद्ध क्षेत्र, जबकि निषिद्ध सीमा से आगे 200 मीटर का विनियमित क्षेत्र होता है। शेखावत के मुताबिक, दक्षिण भारत में स्थित प्रतिष्ठित हम्पी के स्मारकों से लेकर उत्तर भारत में मुगल काल की संगमरमर की अद्भुत कृति ताजमहल तक, एएसआई स्थलों की पवित्रता बनाए रखने की जिम्मेदारी केंद्र सरकार की है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हालांकि, राज्य की ओर से संरक्षित स्मारकों का रखरखाव मुख्य रूप से राज्यों की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि चूंकि ऐसे स्थलों के आसपास के क्षेत्रों की सुरक्षा के लिए कोई कानूनी विनियमन नहीं है, इसलिए मानव आवासों और शहरी बस्तियों जैसे अतिक्रमण के मामले सामने आते हैं। शेखावत ने कहा कि पश्चिमी देशों में भी ऐसे मुद्दे सामने आते हैं, लेकिन वहां के नागरिकों में सामाजिक चेतना की भावना होती है, उनमें सामाजिक स्तर पर यह जागरूकता होती है कि यह स्मारक हमारे शहर के लिए कमाई का एक जरिया, एक आर्थिक शक्ति है।

'अल्फा किलर' बनकर दुश्मनों का सफाया करेंगी आलिया भट्ट

मुंबई/एजेन्सी

यशराज फिल्म्स की आगामी स्पाई यूनिवर्स फिल्म 'अल्फा' को लेकर सोशल मीडिया पर फैंस के बीच जबरदस्त उत्साह बना हुआ है। फिल्म में अभिनेत्री आलिया भट्ट एक स्पाई की भूमिका निभाती नजर आएंगी। प्रोडक्शन टीम के करीबी सूत्रों ने आईएएनएस को बताया कि अभिनेत्री आलिया भट्ट एक दमदार और घातक किरदार में नजर आएंगी। उन्होंने कहा, वह वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स में 'अल्फा किलर' की भूमिका में दिखाई देंगी, जिसे केवल दुश्मनों का सफाया करने के लिए तैयार किया गया है और विशेष प्रशिक्षण दिया गया है। सूत्रों के मुताबिक, वाईआरएफ के प्रमुख आदित्य चोपड़ा इस बार दर्शकों के सामने एक बिल्कुल नया और आकर्षक नायक प्रस्तुत करना चाहते हैं, जिसे लोग उसके सही या गलत कार्यों के आधार पर न आंकें, बल्कि उसे ऐसे व्यक्ति के रूप में देखें जो अपनी शर्तों पर जीवन जीता है और वही करता है जो उसे सही लगता है। सूत्रों ने बताया, आज के समय में नायक-नायिका को देखने का यह एक बिल्कुल नया नजरिया है, क्योंकि दर्शक पर्दे पर रोमांचक और मनोरंजक किरदार देखना चाहते हैं। 'अल्फा' में आलिया का किरदार भी कुछ ऐसा ही होगा। उन्होंने आगे कहा, इस फिल्म के जरिए आदित्य चोपड़ा अपने स्पाई यूनिवर्स में एक बड़ा रचनात्मक बदलाव करने जा रहे हैं, जिसकी इस फ्रेंचाइजी को काफी समय से जरूरत थी। यह पहली बार होगा जब इस यूनिवर्स की कोई फिल्म पूरी तरह एक महिला प्रमुख किरदार के दमदार एक्शन और उसकी कहानी पर आधारित होगी।

वाईआरएफ के प्रवक्ता ने आईएएनएस से कहा, हम फिलहाल केवल इतना ही कह सकते हैं कि सभी को 'अल्फा' के पहले टीजर या झलक का इंतजार करना चाहिए। इस समय हम इन चर्चाओं की न तो पुष्टि कर सकते हैं और न ही इनसे इनकार कर सकते हैं। यश राज फिल्म्स की बहुचर्चित स्पाई यूनिवर्स की पहली महिला-प्रधान फिल्म 'अल्फा' में आलिया भट्ट के साथ शरवरी वाघ भी मुख्य भूमिका में हैं, जबकि बॉबी देओल इसमें मुख्य खलनायक की भूमिका में नजर आएंगे।

पहले पोस्टर के साथ चर्चा में आई फिल्म 'काला हिरण'

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेता सलमान खान से जुड़े चर्चित काले हिरण शिकार मामले पर आधारित फिल्म 'काला हिरण' का पहला पोस्टर जारी कर दिया गया है। कोर्टरूम ड्रामा और क्राइम थ्रिलर के तत्वों से सजी यह फिल्म 1998 में जोधपुर में फिल्म 'हम साथ-साथ हैं' की शूटिंग के दौरान हुए कथित काले हिरण शिकार प्रकरण और उसके बाद सामने आए कानूनी व सामाजिक घटनाक्रम को बड़े पर्दे पर पेश करेगी। पोस्टर सामने आने के बाद फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच उत्सुकता बढ़ गई है।

फिल्म के निर्माता अमित जानी के अनुसार, कहानी में सलमान खान की गिरफ्तारी, जोधपुर जेल में बिताया गया समय, अदालत में चले मुकदमे और मामले से जुड़े विभिन्न विवादों को दिखाया जाएगा। इसके साथ ही फिल्म में गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई और सलमान खान के बीच वर्षों से चले आ रहे विवाद तथा बिश्नोई समाज की भावनाओं को भी प्रमुखता से स्थान दिया गया है। बताया जा रहा है कि फिल्म की शूटिंग उत्तर प्रदेश के कई शहरों में की गई है और इसे वास्तविक घटनाओं से प्रेरित सिनेमाई प्रस्तुति के रूप में तैयार किया गया है। निर्माताओं ने घोषणा की है कि फिल्म का टीजर 20 जून को रिलीज किया जाएगा।

गौरतलब है कि काले हिरण शिकार मामला लंबे समय से चर्चा का विषय रहा है और इसे लेकर कई कानूनी लड़ाइयां भी लड़ी गईं। फिल्म 'काला हिरण' इसी पूरे घटनाक्रम को एक नाटकीय और सिनेमाई रूप में दर्शकों के सामने लाने का दावा कर रही है। पोस्टर रिलीज के बाद अब दर्शकों की निगाहें इसके टीजर और आगामी प्रचार अभियान पर टिकी हुई हैं।

रानी चटर्जी ने शेयर किया 'लखनऊ की बड़की पटना की छोटकी' का बीटीएस वीडियो

मुंबई/एजेन्सी

भोजपुरी सिनेमा की लोकप्रिय अभिनेत्री रानी चटर्जी इन दिनों अपनी फिल्म 'लखनऊ की बड़की पटना की छोटकी' को लेकर चर्चा में हैं। शनिवार को अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर फिल्म के धमाकेदार गाने 'यू. पी. वाली बिहार वाली' का पर्दे के पीछे का वीडियो शेयर किया। इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए वीडियो में रानी के साथ उनकी सह-कलाकार संजना भी नजर आ रही हैं। दोनों अभिनेत्रियां गाने की धुन पर अच्छे से परफॉर्म करती दिख रही हैं। इसमें फिल्म के डायरेक्टर (निर्देशक) दोनों अभिनेत्रियों को गाने के स्टेप्स और उसके पीछे के भावों को गहराई से समझाते हुए दिखाई दे रहे हैं। वीडियो पोस्ट कर अभिनेत्री ने फैंस से पूछते हुए लिखा, क्या आपने गाना सुना?

इस फिल्म में रानी उत्तर प्रदेश की रहने वाली हैं जबकि संजना बिहार की रहने वाली हैं। यह कहानी एक ही घर में रहने वाली दो अलग-अलग राज्यों की बहू के बीच होने वाली छोटी-छोटी नोकझोंक और प्यार भरे झगड़ों पर आधारित है। इसमें दिखाया गया है कि कैसे एक तरफ लखनऊ की शानोशौकत वाली यूपी की लड़की और दूसरी तरफ अपनी सादगी और परंपराओं को मानने वाली बिहार की लड़की के बीच मजेदार मुकाबले होते हैं।'लखनऊ की बड़की पटना की छोटकी' के निर्देशक मंजुल ठाकुर हैं जबकि फिल्म के निर्माता संदीप सिंह और मंजुल ठाकुर हैं। फिल्म की कहानी अरविंद तिवारी ने लिखी है। फिल्म में रानी चटर्जी और संजना सिंह के अलावा प्रशांत सिंह, अलोक सिंह, रीना रानी, ललित उपाध्याय, श्वेता वर्मा और प्रेम दुबे भी हैं। फिल्म में रानी चटर्जी जेठानी के किरदार में हैं तो संजना पांडे देवरानी के किरदार में हैं। दोनों ही भोजपुरी इंडस्ट्री की लोकप्रिय अभिनेत्रियों में शुमार हैं। फिल्म का पहले नाम 'यू. पी. वाली बिहार वाली' था लेकिन मेकर्स ने रिलीज से पहले ही इसका नाम बदलकर 'लखनऊ की बड़की पटना की छोटकी' रख दिया था। फिल्म का वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर 23 मई और 24 मई को बी4यू भोजपुरी चैनल पर हुआ था, जिसके बाद इसे दर्शकों की तरफ से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है।

दरबार

पश्चिम बंगाल के हल्दिया में रविवार को विधायक प्रदीप कुमार बिजली जनता दरबार के दौरान लोगों की शिकायतें सुनते हुए।

करिश्मा कपूर की 'ब्राउन' का ट्रेलर आउट, कोलकाता की पृष्ठभूमि पर सुलझेगी बेरहम हत्याओं की गुत्थी

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री करिश्मा कपूर की आगामी वेब सीरीज 'ब्राउन' के मेकर्स ने शनिवार को कोलकाता में ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है। यह कोलकाता की पृष्ठभूमि पर आधारित एक डार्क साइकोलॉजिकल क्राइम थ्रिलर है। यह सीरीज कोलकाता की रहस्यमयी पृष्ठभूमि पर आधारित है। इसके केंद्र में करिश्मा का किरदार रीटा ब्राउन है, जिसे करिश्मा कपूर निभा रही हैं। रीटा कभी शहर की सबसे बेहतरीन पुलिस अधिकारियों में गिनी जाती थीं, लेकिन अब वह बदनाम हो चुकी हैं और शराब की लत से जूझ रही हैं। साथ ही, उसका अतीत उसे लगातार परेशान करता रहता है। कहानी तब नया मोड़ लेती है, जब शहर में एक के बाद एक कई बेरहमी से हत्याएं होने लगती हैं। इन हत्याओं की शुरुआत एक बड़े कारोबारी की बेटी की हत्या से होती है। इसके बाद रीटा को मजबूरी में फिर से जांच के लिए सिस्टम में लौटना पड़ता है। इस दौरान वह इंस्पेक्टर अर्जुन नामक एक युवा और परेशान अधिकारी के साथ मिलकर मामले की जांच करती है। जांच के दौरान दोनों ऐसे रहस्यों और सच्चाइयों का सामना करते हैं, जो उन्हें एक ऐसे कोलकाता से रूबरू कराते हैं, जो पहले से कहीं ज्यादा भ्रष्ट, बिखरा हुआ और खतरनाक बन चुका है।

वेब सीरीज में अभिनेत्री पुलिस अधिकारी रीटा ब्राउन का किरदार निभा रही हैं, जिसके बारे में उन्होंने बताया कि उन्होंने अपने लंबे करियर में पहले कभी ऐसा किरदार नहीं निभाया है। रीटा ब्राउन का किरदार जितना अपने साहस के लिए मजबूत है, उतना ही अपनी कमजोरियों और खामोशी के कारण भी खास और प्रभावशाली है। उन्होंने कहा, रीटा ब्राउन मेरे द्वारा पहले निभाए गए किसी भी किरदार से बिल्कुल अलग है। वह कई कमियों के साथ जीती है, भावनात्मक रूप से कमजोर और टूटी हुई है, लेकिन इसके बावजूद वह जिंदगी की हर चुनौती का डटकर सामना करती है। यही बात उसे बेहद मजबूत और खास बनाती है।

अभिनेत्री ने बताया कि वेब सीरीज की भावनात्मक सच्चाई ने उन्हें सबसे ज्यादा प्रभावित किया। इसमें न तो दर्द को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाया गया है और न ही इंसानी रिश्तों को आसान बनाकर पेश किया गया है। कहानी बिल्कुल वास्तविक है। अभिनेता जिस्शु सेनगुप्ता ने बताया, मुझे 'ब्राउन' की सबसे खास बात यह लगी कि इसकी कहानी धीरे-धीरे कई परतों में खुलती है। इसमें सस्पेंस के साथ-साथ भावनात्मक गहराई भी हैं। एक अभिनेता के तौर पर ऐसी कहानी का हिस्सा बनना काफी दिचस्प होता है। इसके अलावा, कोलकाता को कहानी का इतना महत्वपूर्ण हिस्सा बनते देखना मेरे लिए और भी खास अनुभव रहा।

डायरेक्टर अभिनय देव के लिए, यह सिर्फ एक क्राइम स्टोरी नहीं है, बल्कि यह उन टूटे हुए लोगों की कहानी है जो एक टूटे हुए सिस्टम में अपनी जिंदगी का मकसद और छुटकारा पाने की कोशिश कर रहे हैं। रीटा ब्राउन का किरदार अंदर और बाहर से कई परतों वाला है। हम एक ऐसी दुनिया बनाना चाहते थे जो असली लगे, जहां हर कैरेक्टर ग्रे शेड्स में काम करता हो। यह कहानी इंसाफ और नैतिकता के बारे में हमारी सोच को चुनौती देती है, जिससे यह एक बहुत ही दिलचस्प अनुभव बन जाती है। जी5 हिंदी की बिजनेस हेड, कावेरी दास ने कहा, ब्राउन आज के आम क्राइम थ्रिलर से बिल्कुल अलग है, क्योंकि यह इस बात पर नहीं चलती कि 'गुनहगार कौन है', बल्कि यह अपने कैरेक्टर्स की गहराई में उतरती है। उनकी कमियां, उनके पुराने जख्म, और उनके साथ जुड़ा इमोशनल बोझ। असल में, यह सीरीज उन टूटे हुए और उलझे हुए लोगों की कहानी है जो बिल्कुल असली और बिना किसी बनावट के लगते हैं।

मलयालम फिल्मों में काम नहीं करना चाहतीं जाह्नवी

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री जाह्नवी कपूर की फिल्म 'पेड्डी' सिनेमाघरों में रिलीज को तैयार है। हिंदी के साथ ही साउथ की फिल्मों में काम कर चुकीं जाह्नवी कपूर ने कहा कि वह दोबारा मलयालम सिनेमा में काम नहीं करना चाहती हैं। उन्होंने इसके पीछे की वजह भी बताई। हाल ही में फिल्म 'परम सुंदरी' में काम करने के बाद उन्होंने माना कि मलयालम भाषा उनके लिए काफी मुश्किल साबित हुई। जाह्नवी कपूर ने आईएएनएस को दिए एक इंटरव्यू में बताया कि साल 2024 में तेलुगु फिल्म 'देवरा: पार्ट 1' से दक्षिण भारतीय सिनेमा में डेब्यू करने के बाद अब वे खुद को कई भाषा जानने वाली अभिनेत्री मानती हैं। उन्होंने बताया, सच कहूं तो मुझे सभी भाषाएं सीखनी हैं। लेकिन मलयालम भाषा की फोनेटिक्स (उच्चारण) मेरे लिए बहुत चुनौतीपूर्ण रही। मुझे नहीं लगता कि मुझे दोबारा मलयालम में काम

करना चाहिए क्योंकि यह मेरे लिए बहुत मुश्किल है। यह बहुत खूबसूरत और प्यारी भाषा है, लेकिन तमिल और तेलुगु की आवाजों से मैं काफी हद तक परिचित हूं।

साल 2018 में फिल्म 'धड़क' से करियर की शुरुआत करने वाली जाह्नवी कपूर 'गुंजन सक्सेना', 'मिली' और 'देवरा: पार्ट 1' जैसी फिल्में दे चुकी हैं। जाह्नवी तेलुगु फिल्मों का भरपूर आनंद ले रही हैं और तमिल सिनेमा में भी काम करने की इच्छा जताई है। उन्होंने कहा, मैं तेलुगु फिल्मों में काम करने का सच में आनंद ले रही हूं। मैं तमिल फिल्मों में भी काम करना चाहूंगी।

'पेड्डी' एक एक्शन ड्रामा फिल्म है। फिल्म का ट्रेलर हाल ही में रिलीज हुआ है, जिसे दर्शक काफी पसंद कर रहे हैं। ट्रेलर में गांव की जिंदगी, मेहनत, संघर्ष और खेलों के प्रति जुनून साफ दिखाई दे रहा है। राम चरण एथलीट 'पेड्डी' की भूमिका में हैं, जो क्रिकेट, कुश्ती और दौड़ जैसे कई खेलों के लिए मैदान में उतरता है।

वर्तमान में जाह्नवी तेलुगु फिल्म 'पेड्डी' की रिलीज की तैयारी में व्यस्त हैं। बुची बाबू सना के निर्देशन में बनी इस फिल्म में जाह्नवी के साथ राम चरण लीड रोल में नजर आएंगे। फिल्म में मजबूत सपोर्टिंग कास्ट भी है, जिसमें शिव राजकुमार, दिव्येंदु और बोमन ईरानी शामिल हैं। फिल्म गांव के माहौल, एक्शन और भावनात्मक कहानी का रोमांचक मिश्रण है, 4 जून को सिनेमाघरों में रिलीज को तैयार है।

जो मिला है, वह साधारण नहीं, सर्वोत्तम है :आचार्य कुलबोधिसूरीश्वर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां बीबीसीएल जैन संघ में विराजित आचार्यश्री कुलबोधिसूरिश्वरजी म.सा. ने रविवार को धर्मसभा को संबोधित करते हुए कहा कि मानव जीवन ईश्वर की अनुपम एवं सर्वोत्तम देन है। भगवान महावीर ने मानव भव को साधारण नहीं, बल्कि असाधारण और सर्वोत्तम बताया है। किंतु जीवन की वास्तविक महत्ता इस बात में नहीं है कि हमें क्या मिला, बल्कि इस बात में है कि जो मिला है उसका उपयोग हम सफलता के लिए करते हैं या सार्थकता के लिए।

आचार्यश्री ने कहा कि जीवन में धन प्राप्त होना सफलता है, किंतु उसका सदुपयोग करना उदारता और सार्थकता है। व्यापार का विस्तार होना अच्छी बात है, परंतु उसके साथ लोभ का विस्तार न हो, यही जीवन की सच्ची उपलब्धि है। उन्होंने उपस्थित श्रद्धालुओं से आत्ममंथन करने का आह्वान करते हुए पूछा कि हमारी दृष्टि सफलता पर अधिक है या सार्थकता पर। आचार्यश्री ने कहा कि विज्ञान ने मनुष्य को सफलता के अनेक मार्ग दिए हैं, किंतु सार्थकता का मार्ग नहीं बताया। विज्ञान भूमि को उपजाऊ और कोमल बना सकता है, लेकिन मानव हृदय को कोमल बनाने की कला उसके पास नहीं है।

उन्होंने जीवन को सार्थक बनाने के तीन सूत्र बताए, टू गेट गुड, टू डू गुड और टू बी गुड। उन्होंने कहा कि मनुष्य प्रायः अच्छा पाने की चाह रखता है, लेकिन जो मिल जाता है, उसके बाद भी अधिक पाने की लालसा समाप्त नहीं होती। उन्होंने कहा कि मनुष्य की दो बड़ी कमजोरियां हैं, अच्छा पाना और अच्छा दिखना। इन्हीं दोनों के पीछे भागते-भागते जीवन का अमूल्य समय व्यतीत हो जाता है। उन्होंने प्रश्न किया कि ऐसा कौन-सा सुख है जिसे केवल धन से खरीदा जा सकता है, और ऐसा कौन-सा दुःख है जिसे धन पूरी तरह दूर कर सकता है? जब धन सब कुछ नहीं कर सकता, तो उसके अहंकार का औचित्य क्या है?

उन्होंने कहा कि जो शक्ति, सामर्थ्य और संपदा प्राप्त हुई है, उसका सदुपयोग करना ही टु डू गुड है। जीवन की तुलना करते हुए उन्होंने कहा कि जन्म और मृत्यु का पन्ना प्रभु पहले से लिखकर भेजते हैं, किंतु जीवन का मध्य पृष्ठ खाली होता है, जिस पर क्या लिखना है, यह प्रत्येक व्यक्ति को स्वयं तय करना पड़ता है। आचार्यश्री ने आगे कहा कि अच्छी वस्तुएं प्राप्त होना महत्वपूर्ण नहीं, बल्कि स्वयं अच्छा बनना अधिक महत्वपूर्ण है। यदि व्यक्ति का स्वभाव नहीं सुधरा तो सारी उपलब्धियां व्यर्थ सिद्ध हो जाएंगी। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि रोगी का ऑपरेशन भले सफल हो जाए, किंतु यदि रोगी ही न बचे तो सफलता का क्या अर्थ? इसी प्रकार प्रवृत्ति का नहीं, प्रकृति का प्रमार्जन आवश्यक है। जीवन का सबसे बड़ा पुरुषार्थ अपने स्वभाव को सुधारना है।

हास्य मिश्रित शैली में उन्होंने कहा कि बचपन में होमवर्क, जवानी में होम लोन और बुढ़ापे में होम अलोन-क्या जीवन केवल इसी में समाप्त हो जाना चाहिए? उन्होंने प्रेरित करते हुए कहा कि आराधना के दीपक को प्रज्वलित करने का प्रयास करो। दीपक को बुझाने के लिए एक फूंक पर्याप्त होती है, लेकिन उसे जलाने के लिए बहुत प्रयास करना पड़ता है। आचार्यश्री ने कहा कि जीवन केवल सफलता प्राप्त करने के लिए नहीं, बल्कि सार्थकता अर्जित करने के लिए है।

स्वागत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई के साहुकार पेट स्थित दाहिमा भवन में श्रीरामलला सदन देवस्थान ट्रस्ट के अध्यक्ष जगद्गुरु स्वामी श्री राघवाचार्यजी महाराज का श्रद्धा एवं भक्तिभाव से भव्य स्वागत-अभिनंदन किया गया। महाराज श्री ने माँ दधिमतीजी की पावन आरती कर दिव्य दर्शन प्राप्त किए तथा समस्त समाज एवं भक्तजनों के मंगलमय जीवन हेतु आशीर्वाद प्रदान किया। इस मौके पर अमृतवाणी सत्संग मंडल के सदस्य अरविन्द कुमार स्वामीजी का स्वागत कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

ज्येष्ठ पूर्णिमा पर्व साधना पूर्वक मनाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के साहूकारपेट के बेसिन वाटर वर्क्स स्ट्रीट पर स्थित स्वाध्याय भवन में ज्येष्ठ शुक्ल पूर्णिमा पर्व साधना पूर्वक मनाया गया। पक्खी पाक्षिक पर्व के प्रसंग पर 'एक कदम धर्म की ओर' प्रवचन माला के अन्तर्गत प्रभु का पत्र- मैं हूं ना पर वरिष्ठ स्वाध्यायी आर वीरेन्द्र कांकरिया ने प्रभु के पत्र के अंशों का वांचन किया। स्वाध्यायी ने विवेचन करते हुए कहा कि प्रभु के प्रति पूर्ण समर्पण करने वाले तनाव रहित हो जाते हैं। जीवन प्रभु व प्रभु के मार्ग पर चलने वाले गुरु को सौंप दिया तो उत्थान ही होगा। अपने जीवन की पतंग रुपी डोर को गुरु के हाथों में सौंप दिया तो कोई चिन्ता नहीं रहेगी। गुरु ही डोर खींचेंगे, ढील देंगे और गुरु ही ऊंचाई तक पहुंचाएंगे। स्वयं को शून्य मान कर गुरु को समर्पित कर देंगे तो गुरु हमारे जीवन मे निखार लाकर बेड़ा पार कर देंगे। उपस्थित स्वाध्यायियों ने श्रवण किये सूत्रों को अपने शब्दों में उच्चरित किया व जिज्ञासाओं का समाधान हुआ। जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ तमिलनाडु की ओर से आर नरेन्द्र कांकरिया ने आलोयणा का पाठ करते हुए स्वाध्यायियों को साधुवाद ज्ञापित किया।

स्वाध्यायी गौतमचन्द मुणोत, इंदरचंद कर्णावट, रुपराज सेठिया, पदमचन्द दीपक श्रीश्रीमाल, हितेन कोठारी, महावीरचन्द बागमार, निखिल कांकरिया, लीलमचन्द बागमार, कमल चोरडिया, कान्तिलाल तातेड़, महावीरचन्द कर्णावट, उच्छबराज गांग, प्रेम बागमार आदि सामायिक परिवेश में उपस्थित थे। दीपक श्रीश्रीमाल ने चिन्तन सूत्र हितेन कोठारी ने तीन मनोरथ चिन्तन सूत्र व महावीरचन्द बागमार ने प्रत्याख्यान कराये। रुपराज सेठिया ने मंगल पाठ किया। गुरु सुखसाता पाठ गौतमचन्द मुणोत ने करवाया। पूर्णिमा पक्खी पर्व पर प्रतिक्रमण बादलचन्द बागमार ने करवाया। कान्तिलाल तातेड़ ने संकल्प सूत्र करवाया। स्वाध्यायियों ने तीर्थंकरों की सामूहिक रुप से चोवीसी स्तुति करते हुए सर्व जीव राशि से क्षमायाचना की। तीर्थंकरों, गुरु भगवन्तों की जयजयकार सहित प्रवचन माला कार्यक्रम संपन्न हुआ।

संसार सागर से पार उतरने के लिए वीतराग परमात्मा की 'जिनवाणी' का आलंबन आवश्यक : डॉ समकितमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के श्रीरामपुरम में विराजित डॉ.समकितमुनिजी ने अपने प्रवचन में कहा कि संसार सागर से पार उतरने के लिए वीतराग परमात्मा की 'जिनवाणी' का आलंबन लेना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार तुम रविवार को अपने व्यापार से छुट्टी लेते हो, उसी प्रकार यदि जन्म-मरण के कर्मों से छूटना है, तो इस संसार के मोह से भी 'छुट्टी' लेना सीखो। जिसे इस नश्वर संसार में रुचि नहीं होती, वह संसार से छुट्टी लेकर 'धर्म में अपनी ड्यूटी' देता है। याद रखो, संसार से ली गई यह छुट्टी तुम्हारे आत्मकल्याण के लिए सबसे बड़े 'फायदे का सौदा' है।ङ्ग

परमात्मा प्रभु महावीर के सिद्धांतों का वर्णन करते हुए संतश्री ने कहा, भगवान महावीर ने प्रत्येक श्रावक के लिए महीने में छह विशेष पर्व तिथियां बताई हैं, दो अष्टमी, दो चतुर्दशी, पूर्णिमा और अमावस्या। इन छह दिनों में श्रावक को 'पौषध व्रत' की आराधना कर संसार से पूर्ण छुट्टी ले लेनी चाहिए। इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि आगामी जन्म के 'आयु कर्म' का बंध इन्हीं तिथियों में होने की सबसे अधिक संभावना होती है। इसलिए ये दिन सांसारिक आरंभ-समारंभ के पूर्ण त्याग के दिन हैं। उन्होंने कहा, धर्म को कभी फुरसत का खेल मत बनाओ कि 'जब समय मिलेगा तब कर लेंगे'। जब भी पाप करने का मौका आए तो उसे तुरंत छोड़ दो, लेकिन यदि धर्म और पुण्य करने का मौका आए तो बिना सोचे उसमें 'चौका लगा देना'। कोई भी पाप कर्म करने से पूर्व एकांत में स्वयं से एक प्रश्न अवश्य पूछना कि 'मैं यह पाप क्यों कर रहा हूँ? अंत में इससे मुझे क्या लाभ होगा?' तुम्हारी आत्मा तुम्हें सही जवाब देगी।ङ्गङ्गआगामी चातुर्मास के संदर्भ में उपस्थित श्रावकों को विशेष संकल्प कराते हुए संतश्री ने कहा कि चातुर्मास अब अत्यंत नजदीक है। अब मौज-मस्ती, अनावश्यक आवागमन और यहाँ-वहाँ घूमना-फिरना बंद करो, क्योंकि चातुर्मास के दिन धर्म-आराधना के दिन हैं, नए कर्म बांधने के नहीं। मुनिश्री ने उपस्थित श्रद्धालुओं को 'रात्रि भोजन त्याग' का मंगल संकल्प करवाया और रात्रि भोजन से होने वाले भयंकर शारीरिक रोगों एवं आत्मिक दुष्प्रभावों के बारे में विस्तार से समझाया। श्रीरामपुरम संघ की ओर से मुनिश्री के श्रीचरणों में कृतज्ञता व्यक्त की गई।ङ्ग'बेंगलूरु चातुर्मास समिति 2026' की ओर से आगामी चातुर्मास की जानकारी दी। अध्यक्ष ताराचंद गुगलिया ने आभार ज्ञापन दिया और मंत्री अशोक गुगलिया ने संचालन किया।

अन्नदान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के सेकेंड इनिंग्स संस्था के अंतर्गत रविवार को वाणी विलास हॉस्पिटल में मरीजों के अटेंडरों हेतु अन्नदान सेवा का आयोजन किया। जैन साधार्मिक सेवा संघ व मूलचन्द पारसमल बरलोटा परिवार के सौजन्य से इस अन्नदान सेवा कार्य में बड़ी संख्या में व्यक्तियों को भोजन कराया गया। इस मौके पर सेकेंड इनिंग्स के अध्यक्ष रमेश बाफना, उपाध्यक्ष गौतम धारीवाल, जयंतीलाल श्रीश्रीमाल, रतन जैन तथा जैन साधार्मिक सेवा संघ के सुनील ओस्तवाल सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

प्लेटिनम जुबली वर्ष के अंतर्गत अग्रवाल सभा द्वारा अन्न सेवा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। स्थानीय श्री अग्रवाल सभा द्वारा अपने 75वें प्लेटिनम जुबली वर्ष के उपलक्ष्य में नौवें अन्न सेवा लोक पर्व के अंतर्गत वोरा विद्यासागर ओसवाल गार्डन, कुरुकपेट में भोजन वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। रविवार के भोजन वितरण कार्यक्रम के मुख्य सहयोगी सुरेश अमित खेतान रहे। इस अवसर पर सभा के सदस्यों एवं स्वयंसेवकों ने मिलकर राहगीरों एवं जरूरतमंदों को ताजा भोजन एवं पेयजल वितरित किया। कार्यक्रम में सेवा भावना, सहयोग एवं सामाजिक उत्तरदायित्व का उत्कृष्ट उदाहरण देखने को मिला। इस अवसर पर सभा के अध्यक्ष सीताराम गोयल, महामंत्री बाल गोविंद गुप्ता, प्लेटिनम जुबली संयोजक विजय कुमार गोयल, कार्यक्रम संयोजक जगदीश प्रसाद अग्रवाल, कार्यक्रम उपसंयोजक आनन्द चौधरी सहित अग्रवाल सभा के गोविंद प्रसाद अग्रवाल, अनिल कंसल, दिलीप अग्रवाल, विजय मस्कारा, अविनाश गोयल, अमित खेतान, तुलसीदास गोयल, रॉबिन कंसल, सुनीता अग्रवाल, सुनीता सिंघल, अवव्या गोयल एवं ओसवाल गार्डन के गणमान्य सदस्य एवं समाजसेवी उपस्थित रहे।

सिंधनूर में जैन समाज के तीन संप्रदायों का संयुक्त सामाजिक सम्मेलन आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सिंधनूर। स्थानीय कुंथुनाथ जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ की ओर से रविवार को जैन कल्याण मंडप में मूर्तिपूजक, स्थानकवासी और तेरापंथी जैन संघों व युवा संगठनों के प्रतिनिधियों का एक दिवसीय संयुक्त सामाजिक सम्मेलन जैनाचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी की निश्रा में आयोजित किया गया। सम्मेलन में जैनाचार्य के अलावा संयोजक गणि पद्मविमलसागरजी, हुक्मगच्छीय स्थानकवासी मुनि नवीनप्रज्ञजी, तेरापंथी मुनि आलोककुमारजी तथा स्थानकवासी श्रमण संघ की साध्वी इंदुप्रभाजी उपस्थित थे। सम्मेलन को संबोधित करते हुए आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि चाहे परिवार हो या समाज, आपसी विवाद उसे कमजोर बना देते हैं। हजार वर्ष का भारतीय इतिहास इस बात का साक्षी है कि आपसी फूट ने देश को गुलाम बनाया। यदि जयचंद मोहम्मद गौरी को भारत न बुलाता और पृथ्वीराज चौहान को मरवाने की व्यवस्था न करता तो शायद यह सोने की चिड़िया अपना देश भारत कभी गुलाम न बना होता। आपसी विवादों की, इस देश और समाज को भारी कीमत चुकानी पड़ी है जिसका हिसाब लगाना मुश्किल है। पृथ्वीराज चौहान के बाद शुरू हुई परतंत्रता की यातनाएं अंग्रेजों तक चली हैं। इतने युगों की गुलामी के दुःखों के बाद भी भारतीय समाज सावधान नहीं हुआ। वरना मुट्ठीभर अंग्रेजों को खदेड़ना असंभव नहीं था। आज भी समाज नहीं संभल रहा। जगह-जगह अनेक छोटे-बड़े आपसी विवाद अभी भी जारी हैं।आचार्यश्री ने कहा कि लड़कर कोई भी जीत सकता है, लेकिन शांति से जी नहीं सकता। मनमुटाव, विवाद और लड़ाइयां कभी शांति और स्थिरता का मार्ग प्रशस्त नहीं करती। लड़ने-लड़ाने वाले हजारों चले गए, कुछ भी हासिल नहीं कर सके। हम सबको इतिहास से प्रेरणा लेकर संगठित होकर आगे बढ़ना चाहिए। भविष्य उन्हीं का है जो संगठित होकर विकास करेंगे।

मुनि नवीनप्रज्ञजी ने कहा कि गुरु धोबी बनकर शिष्य और भक्तों को कपड़ों की तरह धोते हैं, जैसे धुलाई से कपड़े उजले बनते हैं, वैसे ही गुरु अपने शिष्यों और भक्तों के भीतरी मैल को दूर कर उन्हें उज्ज्वल बनाते हैं। तेरापंथ समाज के मुनि आलोककुमारजी ने कहा कि करण, उपकरण और अनुकरण ने जमाने को बदल दिया है।

ये ही हमारी परेशानियों और पीड़ाओं के मुख्य कारण हैं। करण यानी इच्छा-तृष्णा, उपकरण यानी नित नई चीज-वस्तुएं और अनुकरण यानी जो दूसरों में देखते हैं, वो सब प्राप्त करने की लालसा। इस अंधीदौड़ में अमूल्य जीवन तबाह हो रहा है।जैन संघ के अध्यक्ष लालचंद छाजेड़ ने सबका स्वागत कर सम्मेलन की रूपरेखा प्रस्तुत की। मंत्री सुजीत जैन ने धन्यवाद दिया।

दादा गुरुदेव का महाभिषेक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के मामुलपेट स्थित सिमंधरस्वामी राजेन्द्रसूरी जैन श्वेताम्बर मंदिर प्रांगण में रविवार को दादा गुरुदेव श्री राजेन्द्रसूरीश्वरजी की प्रतिमा का महा अभिषेक कर 108 दीपों से महाआरती की गई। स्थानीय गायकों ने भजनों की प्रस्तुति दी। इस अनुष्ठान में मंदिर संघ के अध्यक्ष धीरज कुमार भंडारी, मांगीलाल वेदमुथा, तिलोकचन्द भंडारी, प्रदीपकुमार वेदमुथा, आरती मंडल के अध्यक्ष चम्पालाल गादिया, सुरेशकुमार जैन आदि उपस्थित थे।

आतंकवाद से भी अनंत गुना ज्यादा खतरनाक है नशा : राष्ट्रसंत कमलमुनि

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के सुब्रमण्यमनगर स्थित दिवाकर भवन में विराजित राष्ट्रसंत कमलमुनिजी कमलेश ने रविवार को विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर श्रद्धालुओं को संबोधित करते कहा कि तंबाकू द्वारा शरीर का नाश, धन की बर्बादी, परिवार में संस्कारों की होली जल जाती है। यह आतंकवाद से भी अनंत गुना ज्यादा खतरनाक है।

आतंकवादी कभी-कभी दो-चार को निशाना बनाते हैं परंतु नशे से पूरे विश्व में 80 लाख लोग मौत के शिकार होते हैं। उन्होंने कहा कि नशा सभ्य मानव समाज के लिए कलंक का विषय है। विश्व का कोई भी धर्म नशा करने की इजाजत नहीं देता है। नशा और धार्मिकता में 36 का आंकड़ा है। इस पर नियंत्रण करने के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट स्कूली पाठ्यक्रम में लागू करनी चाहिए, जिससे आने वाली पीढ़ी को बचाया जा सके। प्रचार माध्यमों के ज़रिए जन-जन में जागृति लानी चाहिए।ङ्ग मुनिवर ने कहा कि प्रशासन की नाक के नीचे सरेआम धूम्रपान कानून स्वयं क्रूर मजाक बन रहा है। सरकार को चाहिए कि या तो कानून का कड़ाई से पालन करें या कानून ही निरस्त करें। संतश्री ने कहा कि सभी धर्माचार्यों को मिलकर नशे के खिलाफ वैचारिक क्रांति करनी चाहिए।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चालीसा पाठ

बेंगलूरु के जैन साधर्मिक सेवा संघ द्वारा नाकोड़ा जैन कॉन्फ्रेंस के अंतर्गत विभिन्न चालीसा का पाठ किया। इस अवसर पर संघ परिवार द्वारा सामूहिक रूप से 831 नाकोड़ा भैरवदेव चालीसा, 81 पार्श्व प्रभु चालीसा व 81 पद्मावती माता चालीसा का पाठ किया गया। जैन साधर्मिक सेवा संघ सदैव धर्म प्रभावना, साधार्मिक भक्ति एवं समाज सेवा के कार्यों में अग्रणी भूमिका निभाता है।

संतोषसिंह बने राजपूताना सेवा संघ कामाक्षीपाल्या के अध्यक्ष

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय राजपूताना सेवा संघ ने संस्था विस्तार के क्रम में कामाक्षीपाल्या इकाई के अध्यक्ष पद पर संतोष सिंह तथा युवा अध्यक्ष पद पर दिनेश सिंह की नियुक्ति की है। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में कामाक्षीपाल्या टीम के सभी सदस्यों ने संगठन की मजबूती, समाज हित एवं भविष्य की योजनाओं को लेकर अपने विचार एवं सुझाव प्रस्तुत किए। कार्यक्रम के दौरान शपथ ग्रहण समारोह भी आयोजित किया गया, जिसमें सभी उपस्थित सदस्यों ने संगठन की एकजुटता, सामाजिक सेवा, राष्ट्रभक्ति एवं समाज उत्थान के लिए समर्पित होकर कार्य करने की शपथ ली। कार्यक्रम में राष्ट्रीय टीम से राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल सिंह सिकरवार, राष्ट्रीय महासचिव प्रेम सिंह सहित कर्नाटक एवं बेंगलूरु इकाई के अध्यक्ष सुनील सिंह तथा परमेश्वर सिंह आदि उपस्थित थे। अनिल सिंह सिकरवार ने समाज के सभी वर्गों को एकता, भाईचारे एवं सहयोग की भावना के साथ कार्य करने का संदेश दिया।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.